MPHIN/2021/83938

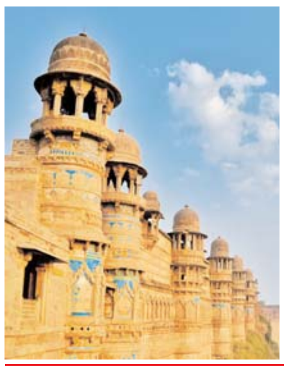

दैनिक पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियर: वर्ष: 4 : अंक:10 | ग्वालियर, 17 नवम्बर शुक्रवार 2023 | पृष्ठ: 8 मूल्य: 2 रुपए

सीएम गहलोत- सचिन पायलट एकसाथ दिखे, कांग्रेस बोली- सबकुछ ठीक, बीजेपी का तंज

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जयपुर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के साथ दिखने को लेकर बीजेपी ने गुरुवार (16 नवंबर) को कटाक्ष किया. कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के हम एक साथ हैं के बयान पर बीजेपी ने कहा कि ये नाटक हैबीजेपी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा, ये फोटो शूट है. इन लोगों ने क्या-क्या नहीं किया. इनके पोस्टर में तो राहुल गांझी का फोटो भी नहीं था. राहुल गांधी को पता है कि राजस्थान में कांग्रेस का कुछ नहीं होने वाला

राहुल गांधी ने क्या कहा– कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राजस्थान में कांग्रेस विधानसभा चुनाव जीतेगी. उन्होंने कहा, ''हम एक साथ हैं और एक साथ ही रहेंगे. कांग्रेस पार्टी यहां चुनाव जीतेगी. '' उनके साथ इस दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट भी थे.राहुल गांधी आज तारानगर , नोहर और सादुलशहर में चुनावी रैलियों को संबोधित करेंगे. दरअसल, अशोक गहलोत पर सचिन पायलट ने आरोप लगाया था कि उन्होंने वसुंधरा राजे की सरकार के दौरान हुए कथित भ्रष्टाचार को लेकर कार्रवाई नहीं की. इस कारण दोनों नेताओं एक दूसरे को निशाने पर लिया था. लेकिन दोनों नेताओं के साथ कई बार कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मीटिंग की.मीटिंग के बाद कांग्रेस के सभी नेताओं ने एक बात दोहराई को वो एकजुट है. बता दें कि राजस्थान में विधानसभा चुनाव 25 नवंबर को है. इस समय राज्य में कांग्रेस की सरकार है.

एक नजर

चीन से मुकाबले के लिए भारत को क्यों है हाई स्पीड ट्रेनों की जरूरत?

दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्था वाला देश भारत आने वाले कुछ सालों में चीन को पछाड़ने का लक्ष्य जरूर बना रहा है, लेकिन भारत को चीन से आगे निकलने और ग्लोबल ग्रोथ का सबसे बड़ा हिस्सा बनने से लिए कई मोर्चों पर चुनौती का सामना करना पड़ेगा.वर्तमान में दुनिया की कई कंपनियां चीन पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए भारत की तरफ रुख कर रही है. लेकिन भारत को अगला चीन बनने के लिए अभी काफी लंबा रास्ता तय करना है. भारत के लिए फिलहाल सबसे ज्यादा जरूरी है कि यह देश अपने बुनियादी ढांचे पर काम करे और उसे दुरुस्त करे. भारत को फिलहाल फास्ट कनेक्टिविटी के लिए हाई स्पीड रेल नेटवर्क को सुधारने पर काम करना चाहिए. भारत फास्ट कनेक्टिविटी के मामले में चीन से कितना पीछे है इसे उदाहरण से समझिए- चेन्नई और बेंगलुरु, आर्थिक गतिविधि के मामले में भारत का दो महत्वपूर्ण शहर हैं. इन दोनों शहरों के बीच 177 मील का फासला हैं.अगर किसी व्यक्ति को चेन्नई से बेंगलुरु जाना है तो उन्हें ट्रेन से यात्रा करने में चार घंटे और 20 मिनट लगते हैं. ठीक इतने ही समय में चीन में एक व्यक्ति हाई-स्पीड ट्रेन से बीजिंग से शंघाई तक पहुंच सकता है. जिसकी दूरी 665 मील है जो कि चेन्नई और बेंगलुरु से तीन गुना दूर है. रेल की दुनिया ने ही में चीन को शिखर पर पहुंचाया है. इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार चीन में साल 2008 में सबसे पहले हाई-स्पीड ट्रेनों की शुरुआत की गई थी और आज 15 साल बाद इस देश के पास 2,6000 किमी लंबा हाई-स्पीड रेल नेटवर्क है.साल 1990 में चीन में रेल की रफ्तार 35-40 किलोमीटर प्रति घंटा ही थी.

कैलाश विजयवर्गीय की सभा में अभिनेता मुकेश तिवारी के डायलॉग पर विवाद, कांग्रेस ने जताई आपत्ति

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए आज शाम प्रचार थम जाएगा. इससे पहले कल शाम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंदौर के बाद गणपति से राजवाड़ा तक रोड शो किया इसमें विधानसभा 1 के प्रत्याशी कैलाश विजयवर्गीय भी शामिल हुए. इसके बाद कैलाश विजयवर्गीय अपने विधानसभा क्षेत्र में दोबारा पहुंचे और स्थानीय कार्यक्रमों में शिरकत की. इस दौरान फिल्म अभिनेता मुकेश तिवारी भी कैलाश विजयवर्गीय के समर्थन में सभा को संबोधित करते नजर आए.

मुकेश तिवारी के बयान पर कांग्रेस को आपत्ति–इस दौरान लोगों ने मुकेश तिवारी से उनकी चर्चित फिल्म 'चाइना टाउन' के उस डायलॉग को बोलने का निवेदन किया जो बहुत फेमस था. लोगों की डिमांड पर मुकेश तिवारी ने अपने चर्चित डायलॉग को मंच से बोला. उनके डायलॉग में एक लाइन ऐसी थी जिस पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है. दरअसल डायलॉग के बीच में जो लाइन है उसमें मुकेश तिवारी कहते हैं कि, हमसे लड़ने की हिम्मत तो ले आओगे लेकिन कमीनापन कहां से लाओगे. बस इसी लाइन को लेकर कांग्रेस प्रवक्ता पीयूष बैबले ने अपने ट्विटर अकाउंट पर इस वीडियो को शेयर किया

भोपाल में कांग्रेस दफ्तर में पार्टी नेता अनस पठान पर हमला, हथियारों से लैस होकर पहुंचे थे बदमाश

मध्य प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस नेता अनस पठान पर जानलेवा हमला हो गया है. हथियारों से लैस होकर बदमाशों ने पठान पर हमला बोल दिया. कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया अध्यक्ष की प्रेस कांफ्रेंस के दौरान बदमाशों ने कांग्रेस नेता पर अटैक किया. वहीं इस हमले को लेकर कांग्रेस ने बीजेपी पर आरोप लगाए हैं.राजधानी भोपाल के कांग्रेस कार्यालय में दक्षिण पश्चिम विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी पीसी शर्मा के समर्थक अनस पठान पर जानलेवा हमला कर दिया जिससे कांग्रेस कार्यालय में अफरा तफरी का माहौल हो गया. जानकारी अनुसार बुधवार शाम करीब 4ः00 बजे अज्ञात बदमाशों ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में घुसकर हमला कर दिया. यहां बदमाशों ने किसी से कुछ नहीं कहा और लाठी-डंडों से कांग्रेस नेता और भोपाल दक्षिण से कांग्रेस प्रत्याशी पीसी शर्मा के कट्टर समर्थक अनस पठान पर जानलेवा हमला कर दिया.इस हमले में अनस के सिर पर चोट आई है. वहीं इस हमले के बाद घायल अनस को गंभीर हालत में कार्यालय के पास ही स्थित रेड क्रॉस अस्पताल ले जाया गया. हालत ज्यादा बिगड़ने पर घायल को बसंल अस्पताल में रेफर कर दिया गया. इससे पहले प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में अचानक घुसे बदमाशों को देख अफरा-तफरी मच गई. इस हमले को लेकर कांग्रेस के नेताओं ने आरोप लगाते हुए बयान दिया और कहा कि यह सुनियोजित हमला था, जिसे भाजपा द्वारा करवाया गया है.कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नेता पवन खेड़ा ने इसे भारतीय जनता पार्टी के द्वारा हमला किया जाना बताया है

वो सांसद बने, मंत्री बने, फिर मुख्यमंत्री भी बन गए, लेकिन छिंदवाड़ा पिछड़ा ही रह गया, कमलनाथ पर यूं बरसे योगी

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के गृह क्षेत्र छिंदवाड़ा में बुनियादी सुविधाओं के अकाल का दावा करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि कमलनाथ ने केवल अपना विकास किया और कांग्रेस के राज में यह इलाका लगातार पिछड़ता चला गया. छिंदवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी ने कमलनाथ के खिलाफ विवेक बंटी साहू को चुनावी मैदान में उतारा है.इस क्षेत्र में बीजेपी की चुनावी सभा में सीएम योगी आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध छिंदवाड़ा को कांग्रेस की सरकारों ने देश की आजादी के बाद से बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा जिससे यह इलाका विकास की दौड़ में लगातार पिछड़ता चला गया. उन्होंने कमलनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि वह छिंदवाड़ा से लगातार चुनाव जीतने के बाद केंद्र सरकार में मंत्री और बाद में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रहे,

नोएडा पुलिस को फिर मिली राहुल की रिमांड, रेव पार्टी के हर राज से अब उठेगा पर्दा!

रेव पार्टी में कथित तौर पर सांप का जहर इस्तेमाल करने के मामले में नोएडा पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने केस के मुख्य आरोपी राहुल की रिमांड के लिए कोर्ट में एप्लीकेशन लगाई थी. कोर्ट ने एप्लीकेशन पर सुनवाई करते हुए गुरुवार को नोएडा पुलिस को मुख्य आरोपी राहुल की 24 घंटे की रिमांड दी है.

डायरी से खुले कई राज–नोएडा पुलिस को मुख्य आरोपी राहुल के घर से एक लाल डायरी बरामद हुई थी. डायरी में एल्विश यादव की नोएडा के फिल्म सिटी और छतरपुर के फार्म हाउस पार्टी का भी जिक्र है. एल्विश और सिंगर फाजिलपुरिया के बिचौलिये का भी पूरा ब्योरा है. डायरी में बॉलीवुड, यूट्यूबर के लिए रेव पार्टी में पहुंचाए गए सांप, वेनम, सपेरे, ट्रेनर का जिक्र है जिसके हर पेज पर

पार्टी का दिन, आयोजक का नाम, लोकेशन, समय और पेमेंट का हिसाब-किताब लिखा है. मोबाइल नंबर तक मेंशन है.

राहुल ने किए कई खुलासे–रेव पार्टी मामले के मुख्य आरोपी राहुल ने पूछताछ में ये कबूला था कि वो एल्विश यादव को जानता है और एल्विश के कहने पर पहले भी सांपों को नोएडा के स्टूडियो में लेकर आया है. अब इस बयान के तर्ज पर एल्विश यादव से पुलिस पूछताछ कर सकती है. ऐसा माना जा रहा है कि पुलिस अब एल्विश से जो सवाल-जवाब करेगी उसमें राहुल ने रिमांड के दौरान जो भी बयान दिए हैं उन्हीं बयानों के आधार पर करेगी.

एल्विश पर प्रतिबंधित जहर सप्लाई का आरोप–यूट्यूबर एल्विश यादव पर सांप के प्रतिबंधित जहर की सप्लाई का आरोप है. उनके अलावा मामले में बॉलीवुड सिंगर फाजिलपुरिया का नाम भी सामने आया है. कुछ महीने पहले का एक वीडियो सामने आया है जिसमें दोनों साथ में नजर आ रहे हैं.

एमपी के 90 पोलिंग बूथों की महिलाकर्मियों के हाथ में होगी कमान, माइक्रो आर्बजवर भी रखेंगे नजर

मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव 17 नवंबर को होने है. इससे पहले एमपी के सीहोर जिले की चारों हाई प्रोफाइल सीटों पर जिला निर्वाचन सख्त एक्शन मैं है. सीहोर जिले में मतदान के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है. कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण सिंह ने जानकारी दी कि जिले की चारों विधानसभा में मतदान सम्पन्न कराने के लिए कुल 1238 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं. इसमें बुधनी में 363, आष्टा में 335, इछावर में 275 तथा सीहोर में 265 मतदान केंद्र बनाए गए हैं

मुस्लिम वोटों की ठेकेदारी पर मुख्तार नकवी और इमरान आमने-सामने, ओवैसी पर भी बोला हमला

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 में सभी राजनीतिक दलों के बड़े नेताओं ने पूरी ताकत से इस चुनाव प्रचार में अपना दमखम झोंक दिया. इसी सिलसिले में खंडवा बीजेपी में प्रचार की कमान संभाले मुख्तार अब्बास नकवी ने कांग्रेस पर अल्पसंख्यक विरोधी होने का आरोप लगाया.पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कांग्रेस को निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग साम्प्रदायिक वोटों की ठेकेदारी करते हैं, जब एक चारों तरफ चारों खाने चित होने लगते हैं, तो उन्हें सांप्रदायिक वोटो की ठेकेदारी याद आ जाती है. तो वही बुरहानपुर में कांग्रेस के पक्ष में जनसंपर्क कर लौट रहे कांग्रेस के सीनियर लीडर और शायर इमरान प्रतापगढ़ी ने नकवी पर पटवार हुए कहा कि मुख्तार अब्बास नकवी अब अप्रासंगिक हो गए हैं.कांग्रेस नेता ने कहा कि मुख्तार अब्बास नकवी एमजे अकबर, सैयद जफर इकबाल जैसे तीन राज्यसभा में सांसद हुआ करते थे. लेकिन एक झटके में तीनों कहां चले गए किसी को पता नहीं. इमरान ने कहा कि मुख्तार अब्बास नकवी से पूछना उन्हें दोबारा राज्यसभा क्यों नहीं भेजा गया. उन्हें उपराष्ट्रपति क्यों नहीं बनाया. आज भी खुद पार्टी में कहां खड़े हैं. पहले वह देख लें उसके बाद दूसरे अल्पसंख्यकों का ठेका लें. इतना ही इमरान प्रतापगढ़ी ने एमआईएम की असदुद्दीन ओवैसी पर भी निशाना साधा उन्होंने कहा कि ओवैसी बीजेपी के साथ खड़े हैं.

सिंधिया से दोस्ती के सवाल पर सचिन पायलट ने दिग्विजय के पाले में डाली गेंद

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से दोस्ती के सवाल पर गेंद पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के पाले में डाल दी. दिग्विजय सिंह ने भी ज्योतिरादित्य सिंधिया के बारे में पत्रकारों के बीच कहा कि वे उनके बेटे के समान हैं. इस प्रकार की स्थिति कैसे उत्पन्न हुई? यह जानना भी दिलचस्पभरा है.मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कई आमसभा को संबोधित किया. उन्होंने शिवपुरी, अटेर, सोनकच्छ, तराना, खिलचीपुर में कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में आम सभा की. जब सचिन पायलट गुना पहुंचे तो उन्होंने पत्रकारों से बातचीत भी की. सचिन पायलट ने कहा कि मध्य प्रदेश से नहीं बल्कि छत्तीसगढ़, राजस्थान में भी कांग्रेस की हवा चल रही है. पायलट ने कहा कि तीन दशक से राजस्थान में हर बार सरकार पलट जाती है. हर 5 साल में भाजपा और कांग्रेस को मौका मिलता है लेकिन इस बार रिकॉर्ड टूटने वाला है. राजस्थान में भी कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है.

जब सचिन से पूछा सिंधिया की दोस्ती से जुड़ा सवाल–पत्रकारों ने सचिन पायलट से पूछा कि उनकी तो केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से दोस्ती रही है? इसके बाद सवाल पूरा हो पाता, इसके पहले ही सचिन पायलट ने जवाब देते हुए कहा कि मुझसे ज्यादा और पुरानी तो सिंधिया की दिग्विजय सिंह से दोस्ती रही है. दिग्विजय सिंह ने भी हाथों-हाथ जवाब देते हुए कहा कि सिंधिया उनके बेटे समान हैं. दोनों कांग्रेस नेताओं ने जवाब देते हुए तंज कसा. इसके बाद वहां मौजूद मीडियाकर्मियों ने जमकर ठहाके लगाए

जीपीएस से होगी मतदान दल के गाड़ियों की निगरानी, इमरजेंसी सेवाओं के लिए दो हेलीकॉप्टर तैनात

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव की 230 विधानसभाओं के लिए होने जा रही वोटिंग के लिए आज मतदान दल रवाना होंगे. 230 विधानसभाओं के लिए प्रदेश भर में 65 हजार 523 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं, इन बूथों के लिए मतदान दल रवाना होंगे. चुनाव आयोग मतदान दलों के सभी वाहनों की निगरानी जीपीएस सिस्टम से करेगा.बता दें प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों के लिए कल 17 नवंबर को मतदान होना है. मतदान की प्रक्रिया कल सुबह सात बजे से शुरू हो जाएगी.मतदान कराने के लिए मतदान दल आज रवाना होंगे. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में टीम तैनात की गई है, जो हर जिले से मतदान दलों के रवाना होने की रिपोर्ट लेगी. सीईओ अनुपम राजन के अनुसार प्रदेश में 64 हजार 523 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं, जिन पर मतदान होना है. सीईओ अनुपम राजन के अनुसार प्रदेश भर में 38 हजार से अधिक मतदान केन्द्रों की सीसीटीवी और वेब कास्टिंग से निगरानी की जाएगी.इधर मतदान दलों को ले जाने वाले वाहनों में जीपीएस सिस्टम लगाया गया है. निर्वाचन कार्यालय में मौजूद टीम इन वाहनों की लगातार निगरानी करेगी. वहीं मतदान टीम में शामिल माइक्रो ऑब्जर्वर, पीठासीन और सेक्टर अधिकारियों की टीमों को अलर्ट रहने और चुनाव के दौरान संदिग्ध गतिविधियों से दूर रहने के लिए कहा गया है. चुनाव आयोग ने प्रदेश में मोबाइल, कंप्यूटर और अन्य संसाधनों से किए गए

सब काम छोड़ दो पहले वोट दोयुथ ने बनाई 400 फीट रंगोली, मतदान के लिए मतदाताओं को किया प्रेरित

मध्य प्रदेश में कल 17 नवंबर को लोकतंत्र का महापर्व है. प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों के लिए वोटिंग होगी. चुनाव अभियान में ज्यादा से ज्यादा सहभागिता हो इसके लिए प्रशासन की तरफ से पूरे प्रयास किए जा रहे हैं, तो वहीं भोपाल के युवाओं ने भी वोट क्लब पर 400 फीट लंबी आकर्षक रंगोली बनाकर मतदाताओं से मतदान की अपील की है. भोपाल के वोट क्लब पर 400 फीट लंबी रंगोली बनाकर युवाओं ने संदेश किया कि जो लोग थोड़ा सा आलस कर जाते है

नीतीश सरकार का फैसला, जुलूस के दौरान तलवार, लाठी, बंदूक जैसे हथियार के प्रदर्शन पर रोक

बिहार में सीएम नीतीश कुमार की सरकार ने त्योहारों पर निकलने वाले जुलूसों को लेकर बड़ा फैसला लिया है. इस फैसले के तहत बिहार में जुलूस के दौरान तलवार, लाठी, बंदूक और अन्य हथियार के प्रदर्शन पर रोक लगा दी गई है. बिहार सरकार की विशेष सचिव के सुहिता अनुपम की ओर से जिलों के जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को इस संदर्भ में चिट्ठी लिखी गई है. त्योहारों के वक्त हिंसा को रोकने के लिए बिहार सरकार ने यह निर्णय लिया है. सरकार ने जुलूस निकालने से पहले लाइसेंस जारी करने का निर्देश जारी है. जिलों के ष्डरूऔर स्क्को लिखी गई चिट्ठी में इस बात का जिक्र है. जुलूस में तेज लाउड स्पीकर और डीजे बजाने की इजाजत नहीं दी गई है. सरकारी आदेश के मुताबिक आवाज ध्वनि सीमा के अंदर ही रखनी होगी. चिट्ठी में इस बात का जिक्र है कि धार्मिक जुलूस के लिए जारी होने लाइसेंस में यह शामिल किया जाएगा कि माइक्रोफोन और पब्लिक एड्रेस सिस्टम का शोर उस क्षेत्र के लिए निर्धारित मानक स्तर से अधिक न हों.

20-25 लोगों का लिया जाएगा अंडरटेकिंग–पत्र में कहा गया है कि जुलूस या शोभायात्राओं में भाग ले रहे कम से कम 20-25 लोगों से अंडरटेकिंग लिया जाए कि जुलूस में कानून-व्यवस्था बनी रहेगी. उन 20-25 लोगों का नाम, पता और आधार कार्ड का नंबर भी लिया जाए. जुलूस में उत्तेजक, भड़काउ गाने, नारेबाजी और प्रतिबंधित हथियार पूरी तरह से बैन रहेंगे.

बिहार पुलिस अधिनियम का दिया गया है हवाला–गृह विभाग की ओऱ से जारी की गई चिट्ठी में कहा गया है कि त्योहार के अवसर

पर धार्मिक जुलूस में शामिल लोगों द्वारा लाउडस्पीकर या माइक्रोफोन से काफी ऊंची आवाज में नारे लगाने या डीजे बजाने या परंपरागत हथियारों के प्रदर्शन से सांप्रदायिक तनाव पैदा होता है और इससे कानून-व्यवस्था की गंभीर स्थिति उत्पन्न होती है. चिट्ठी में लिखा गया है कि त्योहारों पर पैदा होने वाले तनाव और अन्य घटनाओं पर नियंत्रण करने की दिशा में धार्मिक जुलूसों को विनियमित करने के लिए बिहार पुलिस अधिनियम 2007 की धारा 66(2) और बिहार पुलिस हस्तक 1978 के नियम 23 में प्रावधन है.पत्र में कहा गया है कि जुलूस या शोभायात्राओं में भाग ले रहे कम से कम 20-25 लोगों से अंडरटेकिंग लिया जाए कि जुलूस में कानून-व्यवस्था बनी रहेगी. उन 20-25 लोगों का नाम, पता और आधार कार्ड का नंबर भी लिया जाए. जुलूस में उत्तेजक, भड़काउ गाने, नारेबाजी और प्रतिबंधित हथियार पूरी तरह से बैन रहेंगे.

बिहार पुलिस अधिनियम का दिया गया है हवाला–गृह विभाग की ओऱ से जारी की गई चिट्ठी में कहा गया है कि त्योहार के अवसर पर धार्मिक जुलूस में शामिल लोगों द्वारा लाउडस्पीकर या माइक्रोफोन से काफी ऊंची आवाज में नारे लगाने या डीजे बजाने या परंपरागत हथियारों के प्रदर्शन से सांप्रदायिक तनाव पैदा होता है और इससे कानून-व्यवस्था की गंभीर स्थिति उत्पन्न होती है. चिट्ठी में लिखा गया है कि त्योहारों पर पैदा होने वाले तनाव और अन्य घटनाओं पर नियंत्रण करने की दिशा में धार्मिक जुलूसों को विनियमित करने के लिए बिहार पुलिस अधिनियम 2007 की धारा 66(2) और बिहार पुलिस हस्तक 1978 के नियम 23 में प्रावधन है

रतनगढ़ धाम जाने वाले श्रद्धालुओं की सेवा में श्री मुरली मनोहर सेवा मण्डल ने लगाया नवां भव्य विशाल भण्डारा

रतनगढ़ धाम पर हर वर्ष लगता है विशाल लक्खी मेला

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह-दबोह से कुछ ही दूरी पर दतिया जिले में स्थित रतनगढ़ माता मंदिर पर भाईदौज के मौके पर लक्खी मेले में प्रतिबर्ष की तरह लाखों श्रद्धालु माता के दर्शन के लिये पहुचने का सिलसिला 13 नबम्बर 2023 की सुबह से ही शुरू हो गया था।जिसके चलते दबोह से गुजरकर उत्तर प्रदेश के कानपुर,उरई,कोंच,झांसी,चिरगाँव,छतरपुर समेत अन्य कई स्थानों और अंचल के लाखों श्रद्धालु माँ रतनग? माता के दर्शन के लिये प्रतिवर्ष उनके दरबार में पहुंचते हैं।जिनके लिए 14 नबम्बर की शाम 04ः00 बजे से दबोह नगर में लगातार आठ वर्षों से कई भंडारे व् दीन-दुखियो और गरीबो की सेवा करने वाले सामाजिक संगठन श्री मुरली मनोहर सेवा मण्डल के द्वारा नगर में प्रमुख तिराहा कोंच रोड पर पण्डाल लगाकर लाखों श्रद्धालुओं के लिये भण्डारा लगाया गया।जिसमें उनके लिए चाय,पानी,नाश्ता,भोजन,दवा आदि की व्यवस्था की गई।रतनग? माता के मेले के चलते 13 व 14 नबम्बर की शाम से दबोह मुख्य मार्ग पर माता के भक्तों का कारवाँ लाखो की संख्या में नजर आता दिखा।जिसके लिए नगर के मुख्य तिराहे कोंच रोड पर श्री मुरली मनोहर सेवा मण्डल द्वारा नवां भव्य विशाल भंडारा लगाया गया था।जैसा की आप सभी को ज्ञात है कि नगर के सामाजिक संगठन श्री मुरली मनोहर सेवा मण्डल द्वारा यह पहला भंडारा नही है इससे पहले भी मण्डल के द्वारा नवरात्रि के समय माँ रणकौशला देवी मन्दिर जाने श्रद्धालुओं के लिए भंडारा,नवरात्रि पर नवमी के दिन माँ रणकौशला देवी मन्दिर परिसर में विशाल भंडारा,बेसहारा व् गरीबो की मदद,मतदाता जागरूकता अभियान आदि कार्यक्रम भी किये जा चुके हैं।श्री मुरली मनोहर सेवा मण्डल से अर्पित गुप्ता ने बताया कि माँ रतनग? वाली की कृपा से यह नवां विशाल भंडारा सफलता पूर्वक 15 नबम्बर 2023 की अल सुबह सम्पन्न हुआ।साथ ही अर्पित गुप्ता ने बताया की आगामी दसवें भंडारे में भंडारे को काफी विशाल रूप दिया जायेगा और यह भंडारा माता रानी की कृपा से निरन्तर चलता रहेगा।साथ ही उन्होंने बताया कि इस भण्डारे में श्री मुरली मनोहर सेवा मण्डल द्वारा पिछली बार किये गए भंडारे से लगभग 50 फीसदी अधिक श्रद्धालुओं ने भण्डारे में प्रशादी ग्रहण की।इसी के साथ इस विशाल भंडारे में मण्डल से हिमांशु गुप्ता,रोहित गुप्ता,मोहित गोस्वामी,टिंकू कुरेले,संजय गुप्ता,रवि गुप्ता,प्रतीक गुप्ता,शिवा गुप्ता,परमाल गुर्जर,संजय गुर्जर,पंकज गुप्ता,सुधांशु मुदगल,विकास दुबे,हरिश्चंद्र पाण्डेय,दिलीप नायक,अजय त्रिपाठी,पंकज शर्मा,रविन्द्र शर्मा,कुंजबिहारी कौरव,बीपी बौद्ध,शशि बुधौलिया,गोपाल अग्रवाल,संजीव अग्रवाल,राधे अग्रवाल,गोलू गुप्ता,प्रशांत गुप्ता,विन्कु गुप्ता,अंकित खरे,संजय सोनी,मनीष गुप्ता,अंशुल गुप्ता,चिराग गुप्ता,राजभुवन यादव,सुरेश गुप्ता,अशोक गुप्ता,हिमांशु पटेल,गोपाल अग्रवाल,सोनू मैथाने आदि लोग मुख्य रूप से मौजूद रहे।

नगर परिषद ने भी व्यवस्था में किया सहयोग-मुख्य नगर पालिका अधिकारी के निर्देशन में नगर परिषद दबोह द्वारा नगर के मार्गो पर भंडारे को मद्देनजर रखते हुए नगर में सफाई व्यबस्था,प्रकाश व्यवस्था,पानी टैंकर आदि व्यवस्थायें काफी अच्छी तरीके से संभाली गई।

प्रशासनिक व्यवस्था रही चुस्त दुरुस्त-प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजित विशाल भण्डारे के दौरान नगर दबोह थाना निरीक्षक परमानन्द शर्मा व उप निरीक्षक देवेंद्र राठौर ने व्यवस्था में मोर्चा सम्भाला।जिसके चलते प्रशासनिक व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रही और लगातार पुलिसिंग व्यवस्था के चलते कोई हताहत भी नही हुई।जिसके लिए मंडल ने उन्हे धन्यवाद दिया।।

कलेक्टर ने किया मतदान केन्द्रों का निरीक्षण

खरगोन जिले से मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कर्मवीर शर्मा ने आज 16 नवंबर को नगरीय क्षेत्र खरगोन के मतदान केन्द्रों का भ्रमण किया और वहां पर मतदान कराने पहुंचे मतदान दल के सदस्यों से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने मतदान केन्द्रों में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण भी किया और व्यवस्थाओं में सुधार करने के निर्देश भी दिये। कलेक्टर श्री शर्मा ने नगरपालिका खरगोन अंबेडकर भवन में बनाए गए केन्द्र क्रमांक-101, उत्कृष्ट विद्यालय में बनाएं गए मतदान केन्द्र क्रमांक-125, 126, 127 एवं 128 कृषि उपज मण्डी में बनाएं गए मतदान केन्द्र क्रमांक-107, 108, 109 एवं सांगवी में बनाएं गए मतदान केन्द्र क्रमांक 115 व 118 का निरीक्षण किया। अंबेडकर भवन में बनाएं गए केन्द्र क्रमांक-101 को आदर्श मतदान केन्द्र बनाया गया है। जबकि उत्कृष्ट विद्यालय में बनाएं गए मतदान केन्द्र के मतदान दलों की सभी सदस्य महिलाएं हैं। सांगवी में बनाएं गए मतदान केन्द्र के मतदान दल के सदस्य दिव्यांगजन है। कलेक्टर श्री शर्मा ने इन मतदान केन्द्रों का निरीक्षण करने के दौरान मतदान दलों से कहा कि वे मतदान केन्द्र में मतदाताओं के प्रवेश एवं निर्गम के लिए अलग-अलग द्वार रखें। उन्होंने मतदान केन्द्रों पर दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर की सुविधा उपलब्ध रखने के निर्देश दिए

आयोग द्वारा अधिकृत व्यक्ति ही कर सकेंगें मतदान केन्द्रों में प्रवेश

खरगोन जिले से मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे

विधानसभा चुनाव के मतदान के दिन मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं के अलावा केवल ऐसे व्यक्ति ही प्रवेश कर सकेंगे जिन्हें निर्वाचन आयोग द्वारा अनुमति दी गई है। इनमें मतदान अधिकारी, निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक, उम्मीदवार, उसका निर्वाचन अभिकर्ता और उम्मीदवार का एक बार में एक मतदान अभिकर्ता, आयोग द्वारा प्राधिकृत किये गये व्यक्ति एवं निर्वाचन के संबंध में कर्त्तव्यारू? वाले सेवक ही शामिल हैं। इनके साथ ही मतदाता के साथ में गोद में कोई बच्चा, ऐसे अंधे और शिथिलांग मतदाता जो बिना सहायता के चल फिर नहीं सकते, के साथ कोई एक व्यक्ति तथा ऐसे अन्य व्यक्ति जिन्हें समय-समय पर मतदाताओं की पहचान करने के या मतदान कराते समय पीठासीन अधिकारी की सहायता करने के प्रयोजनार्थ बुलाया गया हो, भी मतदान केन्द्र में भीतर प्रवेश कर सकेंगे।

गुड़ा केशर सिंह गाँव में केसाराम चौधरी का स्वागत

सबका साथ सबका विकास ही मोदी का मिशनः चौधरी

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

पाली । गुड़ा केशर सिंह गांव में बुधवार रात में मारवाड़ जंक्शन विधानसभा क्षेत्र के बीजेपी प्रत्याशी केसाराम चौधरी का भव्य जन सभा में इनका स्वागत हुआ। इस अवसर पर गाँव वालों ने केसाराम चौधरी को गुड़ से तोला गया। गाँव वालों ने केसाराम चौधरी को इस बार भारी मतों से विजय बनाने का संकल्प लिया हैं। पूरे गाँव वालों ने एक साथ कहा कि इस बार हम सभी कंधे से कंधे मिलाकर केसाराम चौधरी को भारी मतों से जिताने की पुरी

कोशिश करेंगे। इस कार्यक्रम में केसाराम चौधरी ने कहा की में आप सभी को लोकतंत्र के इस पर्व के पीले चावल देने आया हू। आप सभी राजस्थान और राष्ट्र के हित में अपने मत का प्रयोग करे। चौधरी ने बताया कि विधान सभा चुनाव में कमल के फूल पर आपको वोट करने से मोदी के हाथ मजबूत होगे। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार सबका साथ लेकर चलने वाली सरकार है। उन्होने कहा कि हमारी पार्टी हमेशा आपकी सेवा में तत्पर रहेगी।

रानी मे भाजपा चुनाव कार्यालय का विधिवत उद्घाटन हुआ

पुष्पांजलि टुडे संवाददाता
नरेश कुमार सिरवी पाली राजस्थान

जवाली*रानी*- भारतीय जनता पार्टी मारवाड़ विधानसभा के रानी शहर का कार्यलय देसुरी रोड, प्रताप बाजार, मे पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष रमेश आर जैन, मंडल अध्यक्ष जयन्तिलाल वैष्णव, नगरपालिका उपाध्यक्ष डालचंद चौहान, विधानसभा चुनाव संयोजक जयवर्धन रांकावत, ने विधिवत रूप से फिता काटकर उद्घाटन किया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मारवाड़ विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी केसाराम चौधरी को रानी से भारी वोटों से आगे रखने को कहा एवं हर घर तक भाजपा के पक्ष में प्रचार करने को कहा। इस अवसर पर भाजपा नेता दिनेश जैन, मंडल उपाध्यक्ष

हरिश गहलोत, मंडल महामंत्री भरत जीनगर, बिजोवा महामंत्री उतम सिंह राजपुरोहित, बिजोवा महामंत्री मोहनलाल सोंलकी, राघव प्रसाद पांडेय, अशोक अरोड़ा, युवा मोर्चा अध्यक्ष चेतन सुथार, एससी मोर्चा अध्यक्ष सवाराम मेघवाल, पार्षद ललित सोनी, पार्षद मनिष मेहता, पार्षद जोधाराम कुमावत, पार्षद पदमसिंह राठौड, पार्षद महेश भील, पार्षद इंद्र सिंह राजपुरोहित, गणपत सिंह राठौड़, बाबुलाल बंजारा, बुथ अध्यक्ष - पुनाराम बंजारा, सुनिल बुनकर, रमेश माली, गोपीचंद माली, विक्रम सोलंकी, पवन मेवाडा, रोहित वैष्णव, किरण ग्वारीया, रवि धोका, जगदीश खारवल, सुखसिंह राजपुरोहित पुनाडीया, ढलाराम घांची, रतनलाल घांची , ब्रजेश राजपुरोहित, , दिनेश सिरवी, अक्षय कुमावत,रामलाल प्रजापत. आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे ।

बलेपेट बडेर से अखंड ज्योति का आगमन

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

तुमकूर। सीरवी समाज तमुकुर भवन उद्घाटन सामारोह में अखंड ज्योत लेने के लिए तुमकूर संस्था के अध्यक्ष मदनलाल राठौड़, कुशालराम सेप्टा एवं समाज के अनेक पदाधिकारी जहां बलेपेट बडेर पहुंचे बलेपेट बडेर के अध्यक्ष हरिराम गहलोत,सचिव अमराराम चोयल एवं सांस्कृतिक समिति के सदस्यों ने स्वागत किया। अध्यक्ष मदनलाल राठौ?, कुशालराम सेप्टा ने विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई। समाज के अनेक पदाधिकारी आईमाता के जयकारे लगाते हुए श्रद्धालु अखंड ज्योत लेकर कार से दावसपेट पहुंचे। उसके बाद अखंड ज्योत लेकर दावसपेट से पैदल यात्रा कर तुमकूर वैष्णो देवी पहुंचने पर सीरवी समाज तुमकूर कि महिला मंडल की महिलाओं ने अखंड ज्योत का स्वागत किया महिलाओं मंगल गीत गाए और अखंड ज्योत के तिलक लगाकर दर्शन किए। टुमकुर सीरवी समाज के पदाधिकारीयों ने अखंड ज्योत का जयघोष के साथ स्वागत किया। अखंड ज्योत यात्रा में जोगाराम सेप्टा, सह-सचिव केवलचंद चोयल, भुराराम भायल, बाबूलाल सेप्टा, चेनाराम पंवार, मांगीलाल गहलोत, भंवरलाल परिहार, भंवरलाल मूलेवा, धर्माराम बर्फा, अरविंद सेंणचा, नारायणलाल काग, घेवरराम, मंगलाराम काग, गणेश राम परिहारिया, बाबूलाल गहलोत, सूजाराम काग,शिवलाल हांम्बड, रूगाराम मूलेवा,केसाराम चोयल, मोहनलाल देवड़ा, जयराम काग भंवरलाल बर्फा सहित समाज के अनेक गणमान्य मौजूद रहे।

चारो विधानसभा के प्रत्याशियों द्वारा चुनाव प्रचार के दौरान किए गए व्यय की जानकारी

सीहोर। विधानसभा निर्वाचन के तहत जिले की चारो विधानसभा के प्रत्याशियों द्वारा चुनाव प्रचार के दौरान किए गए व्यय की विधानसभा वार जानकारी निम्नानुसार है।

बुधनी विधानसभा के प्रत्याशियों द्वारा किया गया व्यय- *बुधनी विधानसभा के इंडियन नेशनल कांग्रेस के प्रत्याशी श्री विक्रम मस्ताल शर्मा द्वारा 765457, भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 1134779, आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी श्री दिनेश आजाद द्वारा 69900, राईट टू रिकॉल पार्टी के श्री धर्मेन्द्र सिंह पंवार द्वारा 45150, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के ओबीसी प्रहलाद चौरसिया द्वारा 117650, समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी महामंडलेश्वर स्वामी वैराग्यानंद द्वारा 88050, निर्दलीय प्रत्याशी श्री अब्दुल रशीद द्वारा 10385, निर्दलीय प्रत्याशी श्री छोटेलाल द्वारा 17750, निर्दलीय प्रत्याशी श्री प्रेम नारायण द्वारा 39050, निर्दलीय प्रत्याशी श्री बृजमोहन धुर्वे द्वारा 231135, निर्दलीय प्रत्याशी श्री विजय नंदन द्वारा 64800 तथा द्वारा हेमराज पेठारी द्वारा 5000 रूपए का व्यय किया गया।*

आष्टा विधानसभा के प्रत्याशियों द्वारा किया गया व्यय- *आष्टा विधानसभा के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी श्री कमल सिंह चौहान द्वारा 1573914, बहुजन समाज पार्टी के श्री बद्रीलाल कटारिया द्वारा 62316, निर्दलीय प्रत्याशी श्री संतोष कुमार दाम?िया द्वारा 31953, आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी श्री अजय परमार द्वारा 118726, भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी श्री गोपालसिंह इंजीनियर द्वारा 1829036, समता समाधान पार्टी के प्रत्याशी श्री सोभाल सिसोदिया द्वारा 5200, राष्ट्रीय जन आवाज पार्टी के प्रत्याशी श्री कमलसिंह जांग?ा द्वारा 36556, समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी श्री आम्बाराम मालवीय द्वारा 160913 तथा निर्दलीय प्रत्याशी श्री नरेशचंद सूर्यवंशी द्वारा 39700 रूपए का व्यय किया गया।*

इछावर विधानसभा के प्रत्याशियों द्वारा किया गया व्यय- *इछावर विधानसभा के भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी श्री करण सिंह वर्मा द्वारा 1935306, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी श्री शैलेन्द्र पटेल द्वारा 1184060, आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी श्री जितेन्द्र तमोलिया द्वारा 347926, बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी श्री हरिप्रसाद द्वारा 84200, प्रत्याशी श्री अजब सिंह मेवा?ा द्वारा 209647, वा. मुक्ति पार्टी के प्रत्याशी श्री धुलसिंह द्वारा 10200, गुरमीत सिंह गांधी द्वारा 10200, जैनसिंह 411500, दौलतसिंह द्वारा 56400, मोहनसिंह द्वारा 30100, रमेश बारेला द्वारा 84000 रूपए का व्यय किया गया।*

सीहोर विधानसभा के प्रत्याशियों द्वारा किया गया व्यय- *सीहोर विधानसभा के भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी श्री सुदेश राय द्वारा 2513223, इंडियन नेशनल कांग्रेस के प्रत्याशी श्री शशांक सक्सेना द्वारा 1767966, बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी श्री कमलेश दोहरे 555882, निर्दलीय प्रत्याशी डॉ. अकरम खां द्वारा 520704, निर्दलीय प्रत्याशी मोह. अकरम कुरैशी द्वारा 60350, राष्ट्रीय नवजागरण पार्टी की प्रत्याशी अनुपमा तिवारी द्वारा 47950 तथा निर्दलीय प्रत्याशी श्री आकाश शर्मा द्वारा 102950 रूपए का व्यय किया गया।*

पाली में प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर तैयारियां जोरों पर भाजपा ने घोषणा पत्र किया जारी

पुष्पांजलि टुडे संवाददाता
नरेश कुमार सिरवी पाली राजस्थान

पाली। भारतीय जनता पार्टी पाली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर तथा सांसद पी पी चौधरी व जिला अध्यक्ष मंसाराम परमार ने संबोधित किया । उन्होंने कहा कि राजस्थान विधानसभा आम चुनाव 2023 के चुनावी प्रचार के लिए पाली जिले में आगामी 20 नवम्बर को प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी की विशाल आम सभा आयोजित होगी उसको लेकर सभी जिला स्तर के पदाधिकारी सहित कार्यकर्ताओं को मिलकर कम से कदम आगे बढ़कर सफल में सहयोग करें। सभी को अलग-अलग जिम्मेदार दी गई उन्होने कहा कि मोदी की सभा हमारे लिए गौरवान्वित करने वाली सभा है ।इसका लाभ सभी विधानसभाओ मे होगा प्रवक्ता तिलोक चौधरी ने बताया कि सांसद पी पी चौधरी ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व द्वारा आपणो अग्रणी राजस्थान का संकल्प पत्र जारी किया गया ।संकल्प पत्र में किसान सम्मन निधि की राशि बढ़ाकर प्रति वर्ष 12 000 की गई इसके साथ ही मुख्यमंत्री फ्री स्कूटी योजना के अंतर्गत 12वीं पास करने वाली में सभी मेघावी छात्रों को स्कूटी दी जाएगी। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में सभी गरीब परिवारों की महिलाओं को 450 रुपए में सिलेंडर प्रदान करेगी। किसानों के लिए गेंहू के न्यूनतम समर्थन मूल्य के ऊपर बोनस देकर ?2700 प्रति क्विटल पर खरीद करेगी प्रदेश के सभी गरीब परिवारों की छात्राओं को केजी से पीजी तक मुफ्त गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करेगी प्रदेश में 15000 डॉक्टर एवं 20000

पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति करेगी। कांग्रेस राज में नीलाम हुई किसानों की जमीन का उचित मुआवजा देने के लिए एक मुआवजा नीति लायेगी प्रत्येक जिले में महिला थाना और हर पुलिस स्टेशन में महिला डेस्क एवं सभी प्रमुख शहरों में एंटी रोमियो स्क्वायड गठन करेगी जिससे कानून व्यवस्था मजबूत रहे पर्यटन कौशल कोर्स बनाकर 5 लाख युवाओं को प्रतिशत कर रोजगार अथवा स्वरोजगार के अवसर प्रदान करेगी प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के लाभार्थियों को 5 साल तक मुफ्त राशन प्रदान करेगी हर बेघर को अपना घर देने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के साथ मुख्यमंत्री आवास योजना भी शुरू होगी आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्रों को यूनिफॉर्म आदि के लिए ?1200 की वार्षिक सहायता प्रदान करेगी के साथ ही घोषणा पत्र में आम जन के लिए समर्पित कर आमजन के विकास और विश्वास के लिए भारतीय जनता पार्टी कार्य करने में कृत संकल्प रहेगी आज आयोजित प्रेस वार्ता में प्रदेश से प्रभारी विजया राहटकर सांसद पीपी चौधरी प्रदेश महामंत्री जगदीश छाबा प्रदेश मंत्री महेंद्र कुमावत पुर्व सांसद पुष्प जैन जिला अध्यक्ष मंसाराम परमार तथा पुर्व सभापति महेंद्र बोहरा पुर्व विधायक मदन राठोड संभाग मीडिया प्रभारी नवनीत राजपुरोहित जिला महामंत्री मोहनजाट सहित उपस्थित रहे सुनिल भडारी खिमाराम चौधरी हेमन्त चौधरी दिग्विजयसिंह राठोर कन्हैयालाल ओझा पकझ तिवेदी नरपतसिंह राजपुरोहित रामकिशोर साबू मुकेश नाबरिया निशांत दवे सुदर्शन सिंह उदावत पुनमसिह परमार सहित उपस्थित रहै

धरमपरा वार्ड स्थित अवस्थी निवास पर कतकारियों ने किया तुलसी माता का पूजन

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। नगर के धरमपुरा वार्ड 39 चंदन तलैया मंदिर परिसर में कतकारियों ने माँ तुलसी का पूजन किया। इसके पश्चात् पं कुंजबिहारी अवस्थी के निवास पर पहुंचकर कार्तिक व्रत रखने वाली कतकारियों ने तुलसी माता पूजन किया और भगवान कृष्ण की भक्ति में लीन होकर गीत गाए और नाच गाकर कृष्ण उपासना की। पंडित अवस्थी के यहां तुलसी पूजन का यह कार्यक्रम विगत 84 वर्षो से लगातार किया जा रहा है। भगवान विष्णु को प्रिय पुरुषत्र और माता लक्ष्मीको प्रिय श्रीसूत्र पाठ का वाचन में पं. दिनेश पाठक, पं पुरूषोत्तम शुक्ला, पं देवेन्द्र दुबे, पं शुभम तिवारी, पं अनुराग दुबे, पं अनुज दुबे, पं जागेश मिश्रा, पं दर्शन मिश्रा, पं. नरेन्द्र दास दुबे, शुभम गोस्वामी, गणेश गिरी, रामकुमार तिवारी, विका तिवारी, लकी राजौरिया, रामगोपाल गोस्वामी आदि ने किया। इस संबंध में पंडितों ने बताया कि कार्तिक मास का यह कठिन व्रत कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी से शुरू होकर अगहन कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को पूर्ण होता हैं। इसमें व्रत रखने वाली कतकारियों एक माह तक एक प्रकार का अन्न ग्रहण कर व्रत रखती हैं। तुलसी माता पूजन के इस कार्यक्रम में श्रीमती गीता अवस्थी, श्रीमती गंगा अवस्थी, श्रीमती कुसुम अवस्थी, श्रीमती किरण दुबे, आशा अवस्थी, वर्षा मिश्रा, राखी मिश्रा, रजनी दुबे, शोमना तिवारी, राखी मिश्रा, इंद्रा तिवारी, लाजी तिवारी, प्रीति, रेखा, गायत्री, जानकी, प्रभा, गीता, उर्मिला, लीला, रेखा, मीरा, शशि, आभा, सुषमा, सरला, राधा, नीलम, बबली, की उपस्थिति रही।

अत्याचार,हिंसा और अन्याय को रोकना ही सहिष्णुता-शिवानी जैन

आंल ह्यूमन सेव एंड फॉरेंसिक फाउंडेशन डिस्टिक वूमेन चीफ शिवानी जैन एडवोकेट ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस असहिष्णुता के खतरों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता पैदा करने के लिए 1995 में यूनेस्को द्वारा घोषित एक वार्षिक अवलोकन दिवस है । यह 16 नवंबर को मनाया जाता है ।अंतर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस का उद्देश्य दुनिया में बढ़ते अत्याचार, हिंसा और अन्याय को रोकने और लोगों को सहनशीलता और सहिष्णुता के प्रति जागरूक करना है।मां सरस्वती शिक्षा समिति के प्रबंधक एवं प्राचीन मानवाधिकार काउंसिल सदस्य डॉ एच सी विपिन कुमार जैन ने कहा कि आजकल समाज में बढ़ती भेदभाव और हिंसा की भावना के दुष्परिणामों या भयानक नुकसान के बारे में लोगों को जागरूक करने और समाज में व्यक्ति के नैतिक कर्तव्यों को याद दिलाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहिष्णुता

दिवस मनाया जाना बेहद जरूरी है। अंतर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस सभी धर्मों और अलग-अलग संस्कृतियों को एक होने की प्रेरणा देता है। इसीलिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपने आसपास सहिष्णुता की भावना फैलाने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।थिंक मानवाधिकार संगठन एडवाइजरी बोर्ड मेंबर डॉ कंचन जैन, शार्क फाउंडेशन की तहसील प्रभारी डॉ एच सी अंजू लता जी, शालू सिंह एडवोकेट, विमला चौधरी, मां सरस्वती शिक्षा समिति संरक्षक डॉ राजेंद्र कुमार जैन, डॉ आरके शर्मा, आलोक मित्तल एडवोकेट, ज्ञानेंद्र चौधरी एडवोकेट,निदेशक डॉ नरेंद्र चौधरी आदि ने कहा कि विभिन्न संस्कृतियों के बीच सहिष्णुता का निर्माण करने और यह संदेश फैलाने के उद्देश्य से हर साल 16 नवंबर को अंतर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस मनाया जाता है कि सहिष्णुता समाज का अभिन्न अंग है। सहिष्णुता और अहिंसा को बढ़ावा देने के लिए यूनेस्को-मदनजीत सिंह पुरस्कार भी इसी दिन दिया जाता है।उन्होंने कहा किअंतर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस का मकसद दुनिया में हिंसा की भावना और नकारात्मकता को खत्म कर अहिंसा को बढ़ावा देना है।

फिल्म स्टारफिश का ट्रेलर हुआ रिलीज़ - खुशाली कुमार, मिलिंद सोमन, एहान भट्ट, तुषार खन्ना की परफॉर्मेंस लोगों को कर रही अट्रैक्ट

फिल्म के फर्स्ट लुक के बाद से ही खुशाली कुमार, मिलिंद सोमन, एहान भट और तुषार खन्ना स्टारर स्टारफिश ने प्रशंसकों के उत्साह को बढ़ा दिया है। फिल्म के टीज़र ने उत्सुकता को और बढ़ा दी थी। हालाँकि, ट्रेलर रिलीज़ होने के साथ, नेटिज़न्स एहान, तुषार और मिलिंद से बेहद इंप्रेस हैं और खुशाली के बेहद अद्भुत ऑन-स्क्रीन अवतार वे आश्चर्यचकित हैं।इस फिल्म में खुशाली के किरदार का नाम तारा है जो एक कमर्शियल डाइवर हैं जो अपने चार्म से निश्चितरूप से लोगों का दिल जीत रही हैं परंतु अतीत की कुछ बुरी यादें उन्हें परेशान करती हैं यह जानने के लिए लोगों के बीच उत्सुकता और बढ़ गई है । इससे पहले, खुशाली ने कहा था कि यह उनकी सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं में से एक थी वास्तव में, फिल्म के क्लाइमेक्स के बाद वे कुछ सीरियस ट्रॉमा से भी गुजरी ।अखिलेश जयसवाल द्वारा निर्देशित, थ्रिलिंग ड्रामा पानी के नीचे की दुनिया पर आधारित है। स्टारफिश बीना नायक की सबसे ज्यादा बिकने वाली किताब स्टारफिश पिकल पर आधारित है। कहानी एक कुशल कमर्शियल डायवर तारा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने आस-पास के सभी लोगों के लिए एक रहस्य है। वह एक मजबूत लड़की है जो सामाजिक परंपराओं को चुनौती देती है और अपने अतीत को स्वीकार करती है। तारा के जीवन में अप्रत्याशित मोड़ तब आता है जब वह एक ट्रान्स पार्टी में आध्यात्मिक गुरु से मिलने जाती है। देखने वाली बात यह है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण मुठभेड़ उसके जीवन को कैसे बदल देती है?स्टारफिश एक दमदार कहानी है जो अतीत के रहस्यों और अनकंवेंशनल जीवन के विकल्पों के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म का निर्माण भूषण कुमार और कृष्ण कुमार की टी-सीरीज़ और ऑलमाइटी मोशन पिक्चर द्वारा किया गया है।

कोटा विधानसभा के लिए.. भाजपा प्रत्यासी प्रबलप्रताप सिंह जूदेव ने की भीष्म प्रतिज्ञा..जनता से किया निवेदन..न कोई चूक-न कोई भूल..अपना लक्ष्य सिर्फ कमल का फूल

भाजपा के दबंग प्रत्यासी ने की कोटा विधानसभा के विकास के लिए.. 20 बड़ी प्रतिज्ञा..

महतारी बंदन योजना के तहत प्रत्येक विवाहित महिला को मिलेगा 12000/-प्रति वर्ष लाभ।

कोटा बिलासपुर- भारतीय जनता पार्टी ने कोटा विधानसभा में अपनी मूछों को दांव में लगाने वाले और छत्तीसग? में भारतीय जनतापार्टी का परचम लहराने वाले राष्ट्रीय नेता पूर्व सांसद बिलासपुर-स्व.सम्मननीय दिलीप सिंह जूदेव के सुपुत्र छत्तीसग? के मूल निवासी जशपुर नरेश के राजघराने से युवा दबंग नेता प्रबलप्रताप सिंह जूदेव को प्रत्यासी बनाया है।

जिला कार्यसमिति सदस्य बैंकट लाल अग्रवाल व भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्ताओं के अनुसार हिन्दू कुल तिलक आपका अपना बेटा जनता दलितों और हिंदुत्व की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने वाला संघर्षशील,लोकप्रिय प्रत्यासी प्रबलप्रताप सिंह जूदेव ने प्रतिज्ञा की है उसमें आपका साथ व सहयोग चाहिए- भाजपा को 17 नवम्बर- दिन शुक्रवार को होने वाले मतदान में कमल निशान पर वोट डाल कर भाजपा प्रत्यासी को जिताये और प्रबल की प्रतिज्ञा को पूरा करने में साथ दें।

प्रबलप्रताप की भीष्म प्रतिज्ञा--

1- आदिवासी समाज और दिलीप सिंह जूदेव के मामा भांजा संबंध का संकल्प और आजीवन निर्वाहन। जनजातीय समाज के जल- जंगल और जमीन को सुरक्षित रखने की प्रतिज्ञा।

2-धर्मांतरण के कुचक्र से कोटा विधानसभा के जनजातीय एवम अन्य समाज की सुरक्षा की

प्रतिज्ञा।

3-कोटा से रतनपुर मार्ग के पुल निर्माण की प्रतिज्ञा।

4-कोरोना काल के बाद रेलगा?ी के पूर्ववर्ती स्टॉपेज को कोटा विधानसभा क्षेत्र में अतिशीघ्र बहाल करवाने की प्रतिज्ञा।

5-सरगो? जैसे गाँव जंहा आजादी के 70 साल बाद भी स?क,बिजली,पानी, और नेटवर्क नही है, वंहा उन्हें चिन्हित करके एक साल के भीतर सुबिधायें दिलवाने की प्रतिज्ञा।

6-कोटा बिधानसभा के गौरेला स्थित गुरुकुल विद्यालय को स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का दर्जा दिलवाकर,खेलकूद में छेत्र के स्थानीय युवाओं को कैरियर बनाने का अवसर प्रदान करने की प्रतिज्ञा।

7-गौरेला एवम करगीकला जैसे जनजातीय बहुल क्षेत्र के छात्र छात्राओं के उच्च शिक्षा हेतु शासकीय महाविद्यालय की स्थापना की प्रतिज्ञा।

8-कोटा विकासखंड में कृषि महाविद्यालय खुलवाने के प्रयास की प्रतिज्ञा।

9-मरही माता पहुँच मार्ग बनवाना एवम कोटा विधानसभा स्थित सभी प्रसिद्ध मन्दिरों एवं मठों तक पहुँच मार्ग, बिजली ,पानी, की ब्यवस्था पहुचानें की प्रतिज्ञा।

10-सतनामी समाज के लिए गाँव गाँव में समाज के प्रतीक जैत खम्भ स्थापित करवाने की प्रतिज्ञा।

11-कोटा विधानसभा स्थित सभी घोषित पर्यटन स्थल को विकसित करवाने की प्रतिज्ञा।

12-गौरेला ओवरब्रिज में स्ट्रीट लाइट लगवाने की तथा करगी बेलगहना में स्ट्रीट लाइट लगवाने की प्रतिज्ञा।

13-आमामूडा ब्यापरवर्तन सिंचाई योजना, बरर,रतखंडी, नहर का बिस्तारीकरण कर स ल क ा , ड ब र ी प ा र ा , प ो ? ी , बिल्लीबन्द,नवागांव,चारपारा, और श्रीपारा तक सिंचाई ब्यवस्था पहुचानें की प्रतिज्ञा।

14-कोटा विधानसभा स्थित सभी मार्गों के तत्काल दुरुस्तीकरण, विस्तारीकरण एवं चौ?ीकरण की प्रतिज्ञा।

15-कोटा विधानसभा क्षेत्र में होने वाले वनोंपज की अधिकतम मूल्य प्राप्ति हेतु बनोपज प्रसंस्करण केंद्र की स्थापना हेतु प्रतिज्ञा।

16-कोटा विधानसभा के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र में नजूल जमीन पर वर्षों से निवासरत नागरिकों को जमीन का पट्टा दिलवाने हेतु विशेष प्रयास की प्रतिज्ञा।

17-कोटा विधानसभा के सभी तालाबों का दुरस्तीकरण एवं मत्स्य ब्यापार का उचित बाताबरण तैयार करने की प्रतिज्ञा।

18-कोटा विधानसभा स्थित सभी विद्यालयों के शिक्षा के स्तर को सुधारने और विद्यालयों की उपलब्धता की प्रतिज्ञा।

19-भूपेश सरकार के द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के रोके गए अधूरे निर्माण को पूर्ण कराने की प्रतिज्ञा।

20-गांवों के तर्ज पर समाज के लिए सामुदायिक भवन के निर्माण की प्रतिज्ञा।

बड़े ही धूमधाम से मनाया गया भैया दूज का त्यौहार

बुढ़ाना। जनपद मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना क्षेत्र में धनतेरस, दीपावली गोवर्धन पूजा व भैया दूज का त्यौहार बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। वही भैया दूज के इस पावन पर्व पर शादीशुदा बहने अपने भाइयों को टीका लगाने के लिए अपने मायके आती है। वही इस त्योहार पर बुढाना में बड़े ही धूमधाम से लोगों ने अपने-अपने घरों को सजाया। जिसके चलते बुढ़ाना कस्बे के मोहल्ला पछाला में ज्योति त्यागी ने अपने छोटे भाई सचिन त्यागी को माथे पर टीका लगाकर और मिठाई खिलाकर अपना उपवास खोला।

कांग्रेस ने लगाए बसपा और बीजेपी पर कई गंभीर आरोप

मुरैना विधानसभा कांग्रेस प्रत्याशी की तरफ से शहर अध्यक्ष दीपक शर्मा के द्वारा प्रेस वार्ता करते हुए पत्रकारों के समक्ष बताया की मुरैना विधानसभा में बसपा और बीजेपी दोनों के द्वारा सिंगल बस्ती राठौर कॉलोनी आमपुरा इस्लामपूरा दलित भाइयों के बीच तोड़ियाि बिछिया और रुपए बांटने का कार्य किया जा रहा है इन दोनों पार्टियों के कुछ कार्य करता गाड़ियों में करोड़ों रुपए लेकर घूम रहे हैं और मिठाइयों के डिब्बे में रुपए रखकर बाटे जा रहे हैं निर्वाचन और प्रशासन इस कार्य में उनकी मदद कर रहा है पुलिस आंख बंद करके बैठी है इनके द्वारा बाहर से लंबे-तकड़े बाउंसर भी बुला लिए गए हैं जो दलित बस्तियों में जाकर लोगों को डराने धमकाने

का कार्य कर रहे हैं जिसके वीडियो भी आप लोगों के पास आ रहे हैं पहले पुलिस होटल और लौजों पर छापे डालकर बाहरी व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई किया करती थी लेकिन अब की बार पुलिस के द्वारा ऐसा कुछ भी नहीं किया जा रहा है इस बात की शिकायत हमने भोपाल निर्वाचन आयोग से की तो उनकी तरफ से भी ढुलमुल रवैया अपनाया गया तब बाद में बड़ी मुश्किल से बसपा प्रत्याशी के खिलाफ एफ आइ आर दर्ज की गई इस तरीके से प्रशासन का आंख बंद करके सोना यह दर्शाता है कि निर्वाचन और प्रशासन किसी पार्टी विशेष के लिए कार्य कर रहा है मुरैना विधानसभा में सरेआम लोकतंत्र की हत्या की जा रही है यह सारी बातें प्रेस वार्ता में कांग्रेस प्रत्याशी के कार्यालय पर प्रेस वार्ता करते हुए शहर कांग्रेस अध्यक्ष के द्वारा कही गई अब यह देखना है कि इन बातों में कितनी सच्चाई है यह तो आने वाला 17 तारीख का समय ही बताएगा

डाक मतपत्र से 8196 कर्मचारियों तथा सुरक्षा कर्मियों ने किया मतदान

रीवा मतदान करना हर मतदाता का अधिकार और कर्त्तव्य है। जो अधिकारी कर्मचारी चुनाव ड्यूटी में तैनात हैं उन्हें भी निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार मताधिकार का पूरा अवसर दिया गया है। विधानसभा चुनाव में निर्वाचन कार्यों में तैनात अधिकारियों, कर्मचारियों, मतदान दल के सदस्यों तथा सुरक्षा कर्मियों को डाकमत पत्र से मतदान की सुविधा दी गई। इस संबंध में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयस गोखले ने बताया कि डाक मतपत्र के लिए निर्धारित प्रपत्र 12 में आवेदन लेकर मतदान की सुविधा दी गई। इसका लाभ उठाकर 8196 अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने डाक मतपत्र से मतदान किया। डाक मतपत्र से मतदान के लिए मतदान दलों के प्रशिक्षण के दूसरे चरण में टीआरएस कालेज में विधानसभावार सुविधा केन्द्र बनाए गए थे। रिटर्निंग आफीसरों द्वारा भी सभी विधानसभा क्षेत्रों में डाक मतपत्र के लिए विधानसभावार सुविधा केन्द्र बनाकर सुरक्षा में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को मतदान की सुविधा दी गई। डाक मतपत्र से विधानसभा क्षेत्र सिरमौर में 1194, सेमरिया में 634, त्योंथर में 1024, मऊगंज में 721, देवतालाब में 861, मनगवां में 916, रीवा में 2113 तथा विधानसभा क्षेत्र गु? में 733 कर्मचारियों ने मतदान किया। रीवा जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूची में दर्ज तथा अन्य जिलों में पदस्थ 65 शासकीय सेवकों ने डाक मतपत्र से मतदान किया। इसके लिए नोडल अधिकारी तथा जिला शिक्षा अधिकारी जीपी उपाध्याय तथा सहायक नोडल अधिकारी सुदामा गुप्ता प्राचार्य डाइट द्वारा समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं।

ध्यान दो बच्चे और बच्चियों पर, आज घर-घर में रावण बनते चले जा रहे हैं -सन्त बाबा उमाकान्त जी

शराब, मांस के सेवन से अवगुण आने में देर नहीं लगती, हो जाता है जूनून सवार

अरे! हम-आप तो यही परमार्थी काम करने के लिए बनाये गए, समझो भेजे गए हैं

उज्जैन (म.प्र)सर्वनाश के मूल कारण शराब, मांस और पर स्त्री गमन से सावधान करने वाले, दुखहर्ता, उज्जैन वाले हर तरह से समरथ सन्त सतगुरु, बाबा उमाकान्त महाराज जी ने 12 नवम्बर 2023 दोपहर उज्जैन आश्रम में दिए व यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर प्रसारित लाइव सतसंग में बताया कि रावण इतना विद्वान, बलवान था कि वह तीनों लोकों पर विजय प्राप्त कर लिया था। रावण से डरते थे, पता नहीं कब आ जाए, कब्जा कर ले, कौन चीज ले जाए इसके राक्षस लोग, औरत, आदमी, धन कुछ भी ले जाए। सकल धर्म देखे विपरीता, कह न सके रावण भय भीता। सब लोग, सब धर्मलंबी रावण से डरते थे। कुबेर से ल?कर पुष्पक विमान जीता था। दस खोप?ी जितनी अक्ल बुद्धि उसमें थी। लेकिन उसकी अक्ल खराब होती थी जब वह पाप करता था। जीव हत्या करना बहुत बड़ा पाप होता है। जीव हत्या करता था, करवाता था। उनके मांस को खाता था, खून बेमेल होता था तब उसकी बुद्धि खराब हो जाती थी। उस वक्त पर जो क्षमा भावना होना चाहिए, विद्या बुद्धि से जो सीख मिलती है, सब खत्म, सारा बड़प्पन खत्म हो जाता था। जानवरों का गर्म खून उसके दिमाग पर पहुंचता था, गुस्सा करता था। ताकतवर तो था ही, मार काट देता था। अहंकार में दूसरे का सामान, दूसरे की औरत सीता को ले गया जब उसे पता चला कि वन में सुंदर औरत आई है। बुद्धि खराब थी, शराब पिए, मांस खाये था। शराब गांजा भांग के नशे में आदमी को जो जुनून सवार हो जाता है, वही दिखाई पड़ता है। उसी तरफ वह चल पड़ता है। रावण को कामवासना की सनक सवार हो जाती थी। उसी में नजर दौड़ाता था।शराब, मांस के सेवन से अवगुण आने में देर नहीं लगती, हो जाता है जूनून सवारउसी के लिए आज प्रार्थना किया जा रहा है। घर-घर रावण जो पैदा हो रहे हैं, रावण जो यह बनते चले जा रहे हैं। न देख-रेख में यह बच्चे रावण का काम पर कर रहे हैं। बच्चियों तुम्हारी देख-रेख, शिक्षा नहीं होती है, तुम्हारे पति बिगड़ते चले जा रहे हैं, यह अवगुण तुम में बच्चियों आ रहा है। इसलिए कहा जा रहा है कि यह अवगुण आने में देर नहीं लगती है। तुरंत बुद्धि खराब होती है। चाहे कोई औरत हो या आदमी, शराब पी ले, मांस

खा ले तो उसी तरह का भाव उसके अंदर पैदा हो जाता, उसी तरह का खून उसके अंदर बन जाता है, जैसे जानवर होते हैं। जानवर को क्या होता है? जानवर को तो उस वक्त पर कोई भी मिल जाए ऐसी हविश काम वासना पैदा हो जाती है।अपने-अपने स्तर से ही लोगों को समझाओ तो बहुत से जीवों की जान बच जाएगीमनुष्य अगर चाहे तो इस असर को कम कर सकता है। आप अपने बच्चों को या किसी को समझाओगे तो मान जाएगा क्योंकि उसके बुद्धि विवेक है। अगर चाहो तो इनको हैवानियत से इनको बचा सकते हो, इनको समझा सकते हो। परिवार वालों को, रिश्तेदारों, पड़ोसियों, मिलने-जुलने वालों को, दोस्तों को, जिससे आपका संबंध है, जिससे आप सामान खरीदते-बेचते हो, जहां नौकरी करते हो, आपके सहकर्मी हैं। किसान, किसान को आदि, आप उन्हीं को समझा ले जाओ तो बहुत से जीवों की रक्षा हो जाए, बहुत से लोग पाप से बच जाएं, बहुत से लोग रावण जैसे कर्म जो कर रहे हैं, उससे बच जाए, उनका विनाश न हो, नहीं तो विनाश अवश्यंभावी।अरे! हम-आप तो यही काम करने के लिए बनाये गए, समझो भेजे गए हैंजब आदमी की बुद्धि ख़राब हो जाती है, दिल-दिमाग काम नहीं करता है तब प्रकृति विनाश करती है। वह विनाश करने वाले अलग होते हैं। और जब आदमी की बुद्धि काम नहीं करती है, आद्र भाव से उस प्रभु को पुकारते हैं तो मदद करने वाले भी रहते हैं। कौन मदद करते हैं? यह महात्मा, समरथ गुरु मदद करते हैं। प्रभु किसी न किसी को बहाना बनाकर के मदद करा दिया करता हैं। इस धरती पर हर तरह की व्यवस्था उसने कर रखी है। लेकिन यही काम जब दूसरे लोग कर ले जाएंगे तो आप क्या करोगे? अरे! हम-आप तो यही काम करने के लिए बनाये गए, समझो भेजे गए हैं। और लोग तो पटाखा छोड़ रहे हैं, बढ़िया मोमबत्ती, लाइट जला रहे कि लोग कहेंगे कि बड़े शौकीन है, बड़े आदमी है, बहुत से लोग ताश फेंट रहे हैं, जुआ में दिवाली का दिवाला निकल जा रहा और आप यहां घर छोड़कर के यहां (सतसंग कार्यक्रम में आये हो), बैठे हुए हो जमीन में, जली-भूनी रोटी जो भी भंडारे में मिल जाए, खा रहे हो और वो लोग माल काट रहे (खूब व्यंजन खा-पी रहे) हैं, तो आप में और उन में अंतर है कि नहीं है? है। वृक्ष कबहु न फल भखे नदी न संचय नीर, परमार्थ के कारणे संतन धरा शरीर। सन्त दूसरों की मदद के लिए ही आते हैं। यह इतिहास बता रहा है कि जितने भी महापुरुष सन्त आए, सब लोगों ने अपने प्रेमियों से ही सहयोग लिया है। प्रेमियों के कर्मों को काटा है। प्रेमियों का इतिहास बनाया है। इसलिए भागीदार तो हमको-आपको होना ही है।

प्रेमियों! गुरु महाराज के संकल्प को पूरा करो आप-संकल्प किसका पूरा होता है? जो महापुरुष संकल्प लेते हैं उनका पूरा होता है। जब चोरों ओर बुरे लोगों का संकल्प पूरा होता है

संपादकीय

राज्यपाल और राज्यों के चुनाव

दीपावली का पर्व गुजर गया जिसे मनाने में भारतवासियों ने अपने भाईचारे की मूल संस्कृति का परिचय दिया। इस बार की दिवाली की विशेषता यह रही कि इस समय देश के पांच प्रमुख राज्यों में विधानसभा चुनाव चल रहे हैं जिनमें से एक छत्तीसगढ़ में तो विगत 7 नवम्बर को मतदान का एक चरण और मिजोरम में पूरा मतदान हो भी चुका है। लोकतन्त्र में विधानसभा चुनावों का बहुत महत्व होता है क्योंकि इनके परिणाम स्वरूप बनने वाली राज्य सरकारों के कन्धों पर ही सभी सरकारी नीतियों को लागू करने की जिम्मेदारी रहती है। भारत जो कि राज्यों का संघ कहा जाता है उसमें केन्द्र सरकार की भी लोक नीतियों का घक्रियान्वयन राज्य सरकारों के माध्यम से ही किया जाता है। इन राज्य सरकारों का मुख्य काम होता है कि वे संविधान के अनुसार अपना राज–काज चलाएं। हमारे संविधान के संरक्षक राष्ट्रपति महोदय होते हैं। अतः वह प्रत्येक राज्य में अपना प्रतिनिधि नियुक्त करते हैं जिसका काम ही केवल यह देखना होता है कि उसका काम लोगों द्वारा चुनी गई राज्य सरकारें संविधान की परिधि में कर रही हैं अथवा नहीं। राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किये गये व्यक्ति को राज्यपाल कहा जाता है। उसका अपने पद पर बने रहने का कोई निश्चित कार्यकाल नहीं होता बल्कि जब तक राष्ट्रपति उससे प्रसन्न रहते हैं तभी तक वह अपने पद पर बने रह सकता है। यह अनूठी व्यवस्था हमारे संविधान निर्माताओं ने बहुत गूढ़ विचार–विमर्श व बहस मुबाहिसे के बाद संविधान सभा में चली लम्बी बहसों के बाद की। इसका मन्तव्य यही था कि कहीं राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त राज्यपाल अपनी संवैधानिक स्थिति को देख कर स्वयं को राज्य का मालिक गलती से भी न समझ बैठे। अतः भारतीय संविधान में राज्यपाल को लोगों द्वारा चुनी हुई विधानसभाओं द्वारा किये गये फैसलों पर अपनी सहमति की मुहर लगाने के नियम से बांधा गया। बशर्ते विधानसभा द्वारा किया गया फैसला उस संवैधानिक दायरे में हो जो लोगों की सरकार को बहुमत के आधार पर निर्णय करने के लिए अधिकृत करता है। किसी भी सरकार के गठन का मुख्य लक्ष्य लोकहित और लोक कल्याण के लिए फैसले करना होता है। भारत में प्रत्येक राज्य की अलग–अलग जरूरतें और भौगोलिक व सांस्कृतिक स्थितियां होती हैं। अतः चुनी हुई सरकारें इन्हीं के आलोक में राज्य के लोगों के समग्र हित में विधानसभा में विधेयकों के माध्यम से फैसले करती हैं जिससे उन्हें जमीन पर उतार कर प्रदेश का विकास किया जा सके। ये विधेयक विधानसभा में बहुमत से पारित होने के बाद राज्यपालों के पास उनकी स्वीकृति के लिए भेजे जाते हैं। राज्यपाल प्रायः इन विधेयकों को स्वीकृति देने में देर नहीं लगाते मगर उन्हें यह अधिकार भी होता है कि यदि किसी विधेयक के प्रावधानों के बारे में कुछ आशंका हो तो वह सरकार के पास उसे पुनर्विचार के लिए भेज सकते हैं। सरकार उस पर पुनः विचार करके वापस भेज सकती है और तब राज्यपाल को स्वीकृति देनी ही पड़ती है। मगर सर्वोच्च न्यायालय में इन दिनों ऐसे मामले चल रहे हैं जिनमें पंजाब व तमिलनाडु के राज्यपाल विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर जमकर बैठे हुए हैं और इन पर किसी प्रकार की कोई कार्रवाई ही नहीं कर रहे हैं। इसे सर्वोच्च न्यायालय ने बहुत गंभीर मामला माना है और देश के लोकतन्त्र के लिए अपने आकलन में बहुत ही घातक तक कहा है। अतः समझने वाली बात यह है कि एक तरफ जब पांच राज्यों के चुनाव हो रहे हैं तभी दूसरी तरफ सर्वोच्च न्यायालय में राज्यपालों की विवादास्पद भूमिका के बारे में बहस चल रही है। इसका एक अर्थ यह भी निकाला जा सकता है कि जिस सरकार को किसी राज्य के करोड़ों मतदाता अपने एक वोट की ताकत पर बनाते हैं उसके संवैधानिक कार्यों को किसी राज्य का संवैधानिक मुखिया कहलाये जाने वाला व्यक्ति ही अपनी हेकड़ी में आकर रोक सकता है। यह स्थिति वास्तव में बहुत गंभीर कही जा सकती है क्योंकि ऐसे होने पर उस वोट की कीमत नगण्य हो जाती है जिसे संविधान निर्माता बाबा साहेब अम्बेडकर प्रत्येक गरीब–अमीर को एक समान रूप से देकर गये हैं। हम स्वयं देख रहे हैं कि इन पांचों राज्यों में अपनी–अपनी सरकारें बनाने के लिए विभिन्न राजनैतिक दल किस प्रकार से एक–दूसरे के विमर्श को ध्वस्त करने में लगे हुए हैं और खुद को आम लोगों का सच्चा हितैषी बता रहे हैं। अब जिस भी राज्य में जिस भी पार्टी की सरकार बनेगी वह अपनी नीतियों के अनुसार फैसले लेगी। अगर राज्यपाल उन फैसलों पर ही लम्बी तान कर सो जाये तो चुनावों में की गई भारी कवायद का क्या मतलब? इसलिए राज्यपालों की भूमिका भारत की बहुदलीय प्रशासन प्रणाली के तहत कोई छोटा–मोटा मुद्दा नहीं हो सकता। राज्यपाल न तो किसी भी सत्ताधारी दल का 'एजेंट' हो सकता है और न ही किसी भी सरकार का 'रीजेंट' वह केवल संविधान के संरक्षक का प्रतिनिधि होता है और संविधान की रक्षा करना ही उसका परम दायित्व होता है जो कि राष्ट्रपति महोदय उसे सौंपते हैं।

ऐसे आचार्यों से किनारा करे कांग्रेस

एजेंसी

प्रमोद आचार्य का गुस्सा स्वामी प्रसाद मौर्य पर भी भड़का है जिन्होंने अपने एक्स हैंडल पर सोमवार को अपनी दिवाली की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा है कि 'दुनिया में सभी रंग–रूप, नस्ल वालों के बच्चे दो हाथ, दो पैर, दो कान, दो आंख, दो छिद्रों वाली नाक के साथ एक सिर, एक पीठ व एक पेट के साथ पैदा होते हैं।

ऐसे वक्त में जब कांग्रेस अपने अस्तित्व के साथ–साथ पूरे भारत में लोकतंत्र को बचाने की सबसे बड़ी व निर्णायक लड़ाई लड़ रही है, तब आचार्य प्रमोद कृष्ण का वह बयान उसे नुकसान पहुंचा सकता है जिसमें उन्होंने कहा है कि श्कांग्रेस ने एक लफंडर को अपना महासचिव बना रखा है।श साथ ही वे पहले भी अनेक ऐसे बयान दे चुके हैं जो पार्टी के सीधे–सीधे खिलाफ हैं। कांग्रेस अपने इसी प्रकार के सदस्यनुमा खैरख्वाहों की बदौलत भरपूर नुकसान झेल चुकी है। उसे चाहिये कि वह अपने ऐसे आचार्यों और नेताओं पर लगाम कसे या उन्हें बाहर का रास्ता दिखाये। उल्लेखनीय है कि आचार्य प्रमोद प्रियंका गांधी के करीबी माने जाते हैं और वे दो बार कांग्रेस की तरफ से लोकसभा का चुनाव भी लड़ चुके हैं। पहली बार 2014 में संभल और 2019 में लखनऊ से। हालांकि दोनों ही बार उन्हें मुंह की खानी पड़ी थी। दरअसल हाल ही में आचार्य ने कहा था कि कांग्रेस के भीतर कुछ हिन्दू विरोधी भावनाओं के लोग हैं। इस पर जब कांग्रेस के महासचिव व मध्यप्रदेश के प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला से पत्रकारों ने प्रतिक्रिया जाननी चाही तो उन्होंने कहा कि वे ऐसे ऊलजलूल लोगों को छोड़ें और बयानों पर न जायें। इसी बयान से नाराज होकर आचार्य ने ट्वीट कर दिया कि 'कांग्रेस के भाग्य की यह विडम्बना है कि एक ऐसे लफंडर को पार्टी का महासचिव बना दिया गया है जिसने राज्यसभा के चुनाव में विधायक रहते हुए भाजपा के उम्मीदवार और जी न्यूज के मालिक सुभाष चंद्रा को जितवाने का पाप सिर्फ एक अश्लील सीडी के प्रसारण को रुकवाने के लिये किया। इसके पहले उन्होंने बयान दिया था कि 'कुछ ऐसे बड़े कांग्रेसी नेता हैं जिन्हें हिन्दू शब्द से ही नफरत हैं।' उनका यह भी कहना था कि 'कुछ नेताओं को राम मंदिर ही नहीं भगवान राम से भी नफरत है'। वे यहीं तक नहीं रुके और उन्होंने यह भी कहा कि श्दुनिया जानती है कि राम मंदिर के निर्माण को रोकने के प्रयास हुए। इससे सनातन धर्म में विश्वास रखने वाले करोड़ों लोगों की आस्था को ठेस पहुंची है। आचार्य प्रमोद ऐसे लोगों में हैं जो अपने पार्टी विरोधी बयानों से कांग्रेस को नुकसान पहुंचाते रहे हैं। हाल ही में उन्होंने संयुक्त विपक्षी गठबंधन इंडिया पर भी सवाल उठाते हुए कहा था कि उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती से गठबंधन किये बगैर उप्र में कांग्रेस व समाजवादी पार्टी चुनाव जीत ही नहीं सकते। प्रमोद आचार्य का गुस्सा स्वामी प्रसाद मौर्य पर भी भड़का है जिन्होंने अपने एक्स हैंडल पर सोमवार को अपनी दिवाली की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा है कि 'दुनिया में सभी रंग–रूप, नस्ल वालों के बच्चे दो हाथ, दो पैर, दो कान, दो आंख, दो छिद्रों वाली नाक के साथ एक सिर, एक पीठ व एक पेट के साथ पैदा होते हैं। चार हाथ, आठ हाथ, दस हाथ, बीस हाथ व हजार हाथ वाला बच्चा आज तक पैदा ही नहीं हुआ तो यह चार हाथों वाली लक्ष्मी कैसे पैदा हो सकती है?श उन्होंने यह भी कहा कि श्अगर आपको लक्ष्मी की ही पूजा करनी है तो अपनी पत्नी की पूजा करें जो आपको व आपके परिवार को खाना खिलाती है, देखरेख करती है।' इस पर अनेक हिंदूवादी संगठनों ने आपत्ति जताई लेकिन आचार्य प्रमोद कुछ ज्यादा ही नाराज हो गये। उन्होंने यहां तक कह डाला कि मैं उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कहूंगा कि उनके बोलने पर पाबंदी लगाई जाए। इतने समय से कांग्रेस में रहने और कई राजनैतिक उतार–चढ़ाव देखने वाले आचार्य प्रमोद को अगर यह बात नहीं समझ में आती कि ऐसे विवादों से अंततः फायदा कांग्रेस के विरोधियों, वह भी मुख्यतरू भारतीय जनता पार्टी को ही होता है, तो उन्हें वहां रहने और पार्टी द्वारा उन्हें अपने साथ जोड़कर रखे जाने का कोई औचित्य नहीं है। कांग्रेस कई ऐसे अपनों को झेल चुकी है और उसे इसका बहुत खामियाजा उठाना पड़ा है। वे चाहें मणिशंकर अय्यर हों या सलमान खुर्शीद या फिर कपिल सिब्बल अथवा गुलाम नबी आजाद–अलग–अलग अवसरों पर ऐसे ही बयान देकर पार्टी को नुकसान उठाते रहे हैं। इनमें से कुछ ऐसे भी हैं जो अब कांग्रेस में नहीं हैं लेकिन उनके पार्टी छोड़ने से कोई नुकसान नहीं हुआ है। सच तो यह है कि ऐसे लोग पार्टी में रहकर ही उसे नुकसान पहुंचाते हैं। पार्टी को चाहिये कि ऐसे कथित नेतानुमा आचार्यों पर न केवल अंकुश लगाए वरन जरूरत पड़ने पर उन्हें निकाल बाहर करें। यह वही पिच है जिस पर भाजपा चाहती है कि उसके सारे विरोधी दल आकर खेलें। व्यक्तिगत रंजिशों व वाद–विवादों से प्रारम्भ होने वाले ऐसे ही प्रकरण धीरे–धीरे बड़ा रूप धरते हैं। कांग्रेस विरोधी पार्टियां इन्हीं सारे बयानों का संदर्भ देकर पार्टी को घेरती है और जनता के सामने उसका कद व महत्व गिराती जाती है। इसके लिये किसी और को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। इन अंदरूनी विवादों का हवाला देकर भाजपा तंज कस सकती है कि पहले ये (कांग्रेसी) आपस में मोहब्बत कर लें फिर देशवासियों के बीच नफरत को खत्म करें। अपने एक महासचिव पर इस तरह की टिप्पणी करना किसी भी जिम्मेदार नेता को शोभा नहीं देता। इसके बाद कांग्रेस द्वारा अन्य दलों के नेताओं की ऐसी टिप्पणियों पर उंगली उठाने का हक नहीं रह जाता। आचार्य प्रमोद जैसे लोग ही कांग्रेस की लड़ाई को कमजोर बनाते हैं।

आखिर कब थमेंगा दरिंदगी की घटनाओं का सिलसिला?

कुछ घटनाएं ऐसी होती हैं,जो दरिंदगी की सारी हदें पार कर जाती हैं। जेहन में घाव कर जाती हैं। खौफ पैदा करती हैं। कई सवाल छोड़ जाती हैं। देख व सुनकर आत्मा आहत हो जाती है। जैसे इन दिनों आईआईटी–बीएचयू की बीटेक छात्रा के साथ गैंगरेप की घटना सुर्खियों में है। 27 अक्तूबर 2023 को गाजियाबाद में बीटेक छात्रा के साथ घटित घटना। हालांकि इन दोनों घटनाओं में काफी फर्क है। पहली घटना में हबशियों ने लड़की दिल व दिमाग पर आजीवन न मिटने वाला घाव कर दिया है। उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया है। जबकि दूसरी घटना में लड़की को बेवहज अपनी जान गवांनी पड़ी। दोनों में समानता सिर्फ बीटेक की छात्राएं होने का है। यहां दोनों के सपने टूटे। ऐसी घटनाएं समाज के गाल पर करारा तमाचा मार जाती हैं। कुछ साचने को मजबूर कर जाती हैं। इतिहास के काले पन्नों में दर्ज हो जाती हैं। साल 2012 में सामूहिक बलात्कार की षिकार निर्भया हुई। चार दरिंदे उसके साथ दरिंदगी की सारी हदें पार कर गए। आखिर में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया । करीब आठ साल बाद यानी 2020 में उन सभी चार दरिंदों को सामूहिक फांसी की सजा दी गई। इससे पहले कोलकाता में 15 साल की स्कूली छात्रा के साथ बलात्कार और उसकी हत्या के मुजरिम धनंजय चटर्जी को 2004 में फांसी पर लटका दिया गया था। तब लगा कि अब दरिंदगी की घटनाओं पर अंकुश लग जाएगा। इन दोनों घटनाओं को लेकर टीवी चौनलों पर खूब गरमा–गरम बहस हुई थी। दोनों घटनाओं में जुल्म की षिकार लड़कियों ने दम तोड़ दिया। उनकी मौत के साथ ही सारे दुख–दर्द चले गए। कुछ इसी तरह की घटना 21 जून 2011 को हुई। उस दिन देर षाम को मुजफ्रनगर में देहरादून–दिल्ली हाइवे पर जिले के एक बड़े उद्यमी और बिजनौर से बसपा विधायक षाहनवाज राणा और उनकी जिला पंचायत अध्यक्ष पत्नी इंतखाब राणा की लाल बत्ती लगी कारों में सवार उनके गुर्गों ने उनके तीन गनरों की मौजूदगी में दिल्ली स्थित शाहदरा की दो युवतियों को अगवा कर उनके साथ पिस्टल की नोंक पर दरिंदगी किया। युवतियों को तब छोड़ा गया,जब वे बेहोश हो गईं। उस समय मायावती की सरकार थी। अब तक तफ्तीश मे पाया गया है कि इस तरह की घटनाओं को अंजाम देने वाले दरिदें नशे में रहते हैं और उनका ताल्लुक सत्ताधारियों से रहा है। आईआईटी–बीएचयू की घटना तो बेहद शर्मनाक,घिनौंनी और जघन्य है। इसमें तो छात्रा जिंदा रहकर भी मर रही है। खौफजदा है। उसकी कोमल भावनाएं कुचली गई हैं। उसकी मासूमियत मारी गई है। उसके जज्बात से खिलवाड़ किया गया है। उसके सपने तोड़े गए । उसकी अस्मत खुलेआम लूटी गई। उसके दिल–दिमाग पर अमिट छाप है। यह घाव कभी नहीं भर पाएगा। अगर मर गई होती तो मौत के साथ ही सारा कुछ खतम हो गया होता। सिर्फ सवाल भर रह जाते। मगर, अभी उसकी समूची जिन्दगी बाकी है। उसे अब इस अनचाहे घाव के साथ जीना पड़ेगा। यह घाव कैंसर की भांति बार–बार उसे दर्द का एहसास कराता रहेगा। अब तक घिनौनी घटना बीएचयू परिसर में नहीं हुई थी। अब सवाल यह कि फांसी की सजा के बाद भी दरिंदगी की घटनाओं पर लगाम क्यों नहीं लग पा रहा हैं? ऐसे में हमारी बेटियां खौफ के साए में जीने को विवष हैं। अभिभावक बेटियों को बाहर भेजने से डर रहे हैं। इस तरह की घटनाओं के लिए कौन जिम्मेदार है? ये तमाम सवाल अनसुलझे हैं।

एक आईआईटी–बीएचयू की बीटेक की छात्रा के साथ 01 नवम्बर 2023 की रात करीब डेढ़ बजे कैंपस में तीन दरिंदों ने घटना को अंजाम दिया। पिस्टल की नोंक पर पहले उसे निर्वस्त्र किया और उसका वीडियो बनाया। बारी–बारी से तीनों ने उसकी इज्जत को तार–तार किया। अस्मत लूटने–नोंचने का गंदा खेल करीब 20 मिनट तक चला। छात्रा उन दरिंदों व बहशियों के सामने हाथ जोड़ती रही। गिड़गिड़ाती रही। इज्जत की भीख मांगती रही। पर, उन पर कोई असर नहीं हुआ और दरिंदें उसे उसी हालत में छोड़कर भाग गए। आप इसे सिर्फ छेड़खानी की घटना कहकर नहीं बच सकते हैं। यह जघन्य से जघन्य अपराध है। अगर ऐसी घटना आपकी बेटी के साथ हुई होती तो क्या करते? सवाल यह है। छात्रा रात डेढ़ बजे कैंपस में क्यों घूम रही थी? यह सवाल उठाना उचित नहीं ,क्योंकि कोई भी व्यक्ति कभी भी निडर होकर घूम सकता है। हर किसी को घूमने की पूरी आजादी है। घटना के विरोध में हजारों छात्र–छात्राएं सड़क पर उतर चुके हैं। दरिंदों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। हालांकि अभी पुलिस प्रषासन के हाथ दरिंदों की तह तक नहीं पहुंच सके हैं। यहां बीएचयू प्रशासन की लापरवाही साफ दिख रही है। छात्र–छात्राओं को स्वच्छ,स्वस्थ एवं सुरक्षित वातावरण देने की सारी जिम्मेदारी बीएचयू प्रषासन की है। घटना के इतने दिन बाद भी गुनहगारों का सुराग नहीं लगा। अब यहां बीएचयू परिसर में घटित छेड़खानी की कुछ घटनाओं का जिक्र करना जरूरी हो जाता है। हर घटना के पीछे बीएचयू प्रशासन की लापरवाही एवं उदासीनता साफ झलकती है।

बात 21 सितम्बर,2017 की है। उस दिन की शाम साढ़ छह बजे बीएचयू परिसर में भारत कला भवन चौराहे से गुजर रही एक छात्रा से छेड़खानी की गई। इस घटना से नाराज हजारों छात्र–छात्राओं ने बीएचयू के मुख्य सिंह द्वार पर लगातार 40 घंटे तक धरना दिया। उस दिन प्रधानमंत्री और वाराणसी के सांसद नरेन्द्र मोदी भी शहर में थे। तत्कालीन कुलपति प्रो. गिरीश चंद त्रिपाठी अपने कार्यालय से बाहर नहीं निकले। घटना से महज दो दिन बाद यानी 23 सितम्बर की रात प्रदर्शन कर रही निरीह छात्राओं पर पुलिस की लाठियां खुब चटकीं। छात्राओं के हॉस्टल में घुसकर पीटा गया। बताते हैं कि 50 से ज्यादा छात्राओं को गंभीर चोटें आईं। छात्राएं अपनी सुरक्षा की मांग कर रही थीं। घटना की चहुंओर निंदा होने लगी। इसके बाद बीएचयू प्रशासन हरकत में आया और विश्वविद्यालय बंद करा दिया गया। तत्कालीन चीफ प्राक्टर प्रो.ओएन सिंह से इस्तीफा ले लिया गया। यूपी की योगी सरकार भी हरकत में आई। तत्कालीन थानाध्यक्ष,सीओ आदि को हटा दिया गया। करीब एक हजार अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्जकर मामले को रफादफा करने की कोशिश की गई।

24 जनवरी 2013 को बीएचयू परिसर की घटना है। ठंड अपने शबाब पर थी। तीन छात्राओं को क्लास के लिए देर हो रही थी। क्लास छूटने न पाए,इसके लिए छात्राएं शॉर्टकट रास्ता चुना। जिस रास्ते से वे जा रही थीं वह बिरला छात्रावास के सामने से गुजरता था। बिरला छात्रावास के करीब 30–40 छात्र बालकनी और गेट पर खड़े होकर लड़कियों पर अष्लील टिप्पणियां करनी शुरू कर दी और उन छात्राओं को घेर लिए। 'ठंड बहुत है कमरे में आ जाओ, तुम्हें बहुत मजा आएगा , तुम लोग ऐसे कपड़े पहनती हो, इसलिए तो तुम्हारे साथ रेप होता है, आदि–आदि अष्लील फब्तियां कसने लगे।। छेड़खानी करने वाले सारे छात्र बीएचयू के थे। छात्राएं डरी नहीं, बल्कि मुकाबले को तैयार हो गईं। छात्राओं ने मामले की षिकायत तत्कालीन कुलपति प्रो.लालजी सिंह समेत कई प्रषासनिक अधिकारियों से की। इस घटना को लेकर छात्राओं में भारी आक्रोश था। घटना के विरोध में हजारों छात्राएं कुलपति आवास का घेराव किया। आरोपी छात्र कुलपति के सामने ही छात्राओं को धमकी देत रहे। उस समय प्रदेश में सपा की सरकार थी। आरोपी छात्रों का संबंध भी सत्ताधारियों से बताया गया था। छात्राओं का आक्रोश तत्कालीन चीफ प्राक्टर प्रो.जोशी और कुलपति सिंह के खिलाफ था। पहली बार बीएचयू की छात्राओं में एकजुटता देखने को मिली। लोगों ने छात्राओं की हिम्मत को सराहा था। कई दिनों तक हजारों छात्राओं ने धरना–प्रदर्शन किया। यह घटना समूचे प्रदेश को हिलाकर रख दी थी। वाराणसी के बुद्धिजीवी भी छात्राओं के समर्थन में उतर आए थे। तत्कालीन चीफ प्राक्टर एके जोशी मामले को ठंडा करने के लिए छात्राओं की मांग पर कई आश्वासन दिए,जो सिर्फ दिखवा भर थे। उन्होंने तत्काल महिला सेल गठित करने, 24 घंटे हेल्पलाइन शुरू करने की बात कही। साथ ही कैंपस में और छात्रावास के बाहर सुरक्षा गार्ड नियुक्त करने की बात कही। उस घटना के दस साल बाद छात्राओं की सुरक्षा के मद्देनजर कैंपस में जगह–जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए गए होंगे। पर, छात्राओं की सुरक्षा व्यवस्था कैंपस मे लचर बनी हुई है। जो सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलने के लिए काफी है।

1366 एकड़ में फैले बीएचयू परिसर के सामने छात्राओं से छात्राओं से छेड़खानी के बढ़ते मामलों को रोक पाना बड़ी चुनौती है। बीएचयू प्रॉक्टर आफिस के आंकड़ों की माने तो औसतन हर साल छेड़खानी के पचास से ज्यादा मामले आते हैं।

लेखकः अशोक शुक्ल–वरिष्ठ पत्रकार

अयोध्या दीपोत्सवः भव्यता के साथ दिव्यता

बृजनंदन राजू

योगी सरकार अयोध्या को उसका प्राचीन वैभव प्रदान करने में लगी है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर बन रहे राम मंदिर के साथ ही अयोध्या का दीपोत्सव भी इस बार भव्यता के साथ दिव्यता का अहसास कराने में सफल रहा। योगी सरकार ने दीपोत्सव पर एक बार फिर विश्व कीर्तिमान रचने का काम किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनने के बाद योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2017 में अयोध्या दीपोत्सव शुरू कराया था। तब से साल दर साल नया रिकार्ड बन रहा है। पिछले वर्ष 2022 में 15.76 लाख दीपक जलाये गए थे। इस बार अयोध्या के 51 स्थानों पर 22.23 लाख दीपक जलाकर गिनीज बुक में रिकार्ड दर्ज कराया गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी की प्रेरणा से शुरू हुए अयोध्या दीपोत्सव की आज वैश्विक पहचान बन चुकी है। दीपोत्सव की शुरुआत वर्ष 2017 में हुई थी लेकिन इस बार का दीपोत्सव कई मायनों में खास रहा। पहली बार विश्व के 54 देशों के राजनयिक भी अयोध्या दीपोत्सव के साक्षी बने। विजय महामंत्र श्री राम जय राम जय जय राम के जाप के साथ संपूर्ण अयोध्या नगरी दीपो से जगमगा उठी। मंच से जब विश्व रिकार्ड बनाने की घोषणा की गई तब अयोध्या का सरयू तट सियावर रामचंद्र के जयकारों से गूंज उठा। दीपों की रोशनी के बीच सरयू के तट पर बाल वृद्ध नर नारी और युवाओं के उमड़ते समूह का उत्साह देखते बन रहा था। ऐसे अवसर पर जब अयोध्या वासियों के साथ–साथ संत शक्ति जब सरयू तट पर हो तो मां सरयू तटस्थ कैसे रह सकती हैं। दीपोत्सव के बाद उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संतों के साथ मां सरयू की आरती उतारी। ऐसे समय में सरयू में उठती लहरों को देखकर लगता था मानो मां सरयू श्री राम के स्वागत को आतुर हों। राम कथा पार्क में जब पुष्पक विमान से राम लक्ष्मण मां सीता उतरी तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वागत किया और हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई। इसके बाद भारत मिलाप का कार्यक्रम हुआ और मंच पर सांकेतिक रूप से भगवान श्री राम का राज्याभिषेक किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या को विश्व की सबसे सुंदर नगरी बनाने की घोषणा की। योगी ने कहा कि आने वाले समय में अयोध्या में 50000 करोड रुपए की परियोजनाएं मूर्त रूप लेंगी। वहीं दीपोत्सव से पहले अयोध्या एक और ऐतिहासिक पल की गवाह बनी जब मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में रामनगरी में पहली बार कैबिनेट की बैठक हुई। उत्तर प्रदेश के इतिहास में यह पहला अवसर रहा जब रामलला के दरबार में प्रदेश की कैबिनेट बैठक हुई। कैबिनेट से पास 14 प्रस्ताव के केंद्र में अयोध्या ही रही। योगी की कैबिनेट ने अयोध्या धाम तीर्थ विकास परिषद के गठन के साथ ही अयोध्या में मंदिर म्यूजियम बनाए जाने की घोषणा की। इस म्यूजियम में देशभर के सभी प्रमुख मंदिरों का निर्माण उनकी ही शैली व वास्तु कला के हिसाब से होगा। मंदिर म्यूजियम के बन जाने से अयोध्या आने वाले श्रद्धालु अन्य प्रदेशों के प्रमुख मंदिरों के दर्शन यहां कर सकेंगे। 22 जनवरी 2024 को रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान होंगे, इसके चलते इस वर्ष दीपोत्सव को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। क्योंकि 500 वर्षों के सतत संघर्ष के बाद हिंदुओं को यह स्थान प्राप्त हुआ है। राम की जन्मभूमि को प्राप्त करने के लिए तीन लाख 76 हजार हिंदुओं ने अपना बलिदान दिया है। 77 वा संघर्ष संतो के नेतृत्व में विश्व हिंदू परिषद के माध्यम से हुआ। विश्व हिंदू परिषद ने राम मंदिर के लिए देशभर में प्रचंड जागरण किया। आंदोलन के फल स्वरुप ही 1 फरवरी 1986 को मंदिर का ताला खुला और 9 नवंबर को श्री राम जन्मभूमि का शिलान्यास हुआ। संतों ने जब अयोध्या में कारसेवा की घोषणा की तो अनगिनत बाधाओं को पार करते हुए कारसेवक अयोध्या पहुंचे। 02 नवंबर 1990 को राम भक्तों पर मुलायम सिंह यादव ने गोली चलवाई जिसमें सैकड़ो राम भक्त बलिदान हुए लेकिन कारसेवकों ने हार नहीं मानी। 6 दिसंबर 1992 को पुनः कर सेवा में राम भक्तों ने गुलामी के प्रतीक विवादित ढांचे का नामोनिशान मिटा दिया। आज भगवान श्री राम की जन्म भूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉक्टर मोहन राव भागवत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूज्य संतों की उपस्थिति में 22 जनवरी को राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा। समारोह संपन्न होगा। इसके बाद गर्भ ग्रह में रामलला के विराजमान हो जाने के बाद श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए मंदिर के पट खोल दिए जाएंगे। मंदिर के भूतल का काम लगभग पूरा हो चुका है। यह संपूर्ण हिंदू समाज के

इसी बाबर आजम ने पाकिस्तान को 6 महीने पहले नंबर वन टीम बनाया था : कपिल देव

नई दिल्ली। आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 से पाकिस्तान की टीम बाहर होने के बाद हो रही बाबर आजम की आलोचना पर भारत के विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए बाबर आजम को अपना समर्थन दिया है। पाकिस्तान टीम विश्व कप के सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई क्योंकि वह ग्रुप स्टेज के 9 मैचों में से 5 मैच गंवा बैठी थी। भारतीय टीम ने एक बार फिर से विश्व कप में पाकिस्तान टीम पर अपना वर्चस्व कायम रखा और 8वीं जीत हासिल की। पाकिस्तान को अपने अभियान के दौरान अफगानिस्तान से भी हार झेलनी पड़ी थी। बाबर आजम ने भले ही क्रिकेट विश्व कप के दौरान 40 की औसत और 4 अर्द्धशतकों की मदद से 320 रन बनाए लेकिन कुछ मौकों पर उनके कप्तानी दौरान लिए गए फैसलों के लिए उनकी आलोचना हुई। क्रिकेट दिग्गजों को बाबर के एग्रेशन में कमी नजर आई। बहरहाल, बाबर आजम की कप्तानी पर यूट्यूब पॉडकास्ट पर बोलते हुए कपिल ने कहा कि केवल वर्तमान प्रदर्शन के आधार पर उन्हें आंकना अनुचित होगा। उन्होंने आजम की पिछली उपलब्धियों की ओर इशारा करते हुए बताया कि उन्होंने 6 महीने पहले ही पाकिस्तान टीम को आईसीसी वनडे रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंचाया था। कपिल ने कहा कि अगर आप कहते हैं कि बाबर आजम आज (कप्तानी के लिए) सही विकल्प नहीं हैं, तो ऐसा इसलिए है क्योंकि आप सिर्फ उनके मौजूदा प्रदर्शन को देख रहे हैं। यह वही कप्तान थे, जिन्होंने छह महीने पहले पाकिस्तान टीम को नंबर 1 (आईसीसी वनडे रैंकिंग में) बनाया था। जब कोई शून्य पर आउट हो जाता है, तो 99 प्रतिशत लोग चाहते हैं कि उसे बाहर कर दिया जाए। अगर कोई साधारण खिलाड़ी आता है और शानदार शतक बनाता है, तो वे उसे सुपरस्टार कहते हैं। इसलिए केवल वर्तमान प्रदर्शन को न देखें। देखें उन्होंने खेल को किस तरह से अपनाया है, उनमें कितना जुनून और प्रतिभा है।

8वीं बार साल का अंत नंबर वन से करेंगे नोवाक जोकोविच, मिली विशेष ट्रॉफी

तुरिन (इटली)। नोवाक जोकोविच को रिकॉर्ड में इजाफा करते हुए 8वीं बार साल का दुनिया का नंबर एक टेनिस खिलाड़ी के रूप में करने के लिए ट्रॉफी दी गई। जोकोविच (हृश्1ड्डद्म छ्द्धश्चद्मश्1द्ब) को साल के अंत में शीर्ष रैंकिंग पर बने रहने के लिए एटीपी फाइनल्स में एक जीत की दरकार थी और 24 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन ने अपने पहले मैच में होल्गर रूने को तीन घंटे से अधिक समय में 7-6 (4), 6-7 (1), 6-3 से हराकर यह सुनिश्चित किया। एटीपी अध्यक्ष आंद्रिया गोडेंजी ने इस उपलब्धि के लिए जोकोविच को ट्रॉफी सौंपी। जोकोविच ने इसके बाद सोशल मीडिया पर अपने कोच, ट्रेनर और परिवार के सदस्यों के साथ

तस्वीर साझा की। जोकोविच ने कहा कि बेशक यह सत्र का ताज है, साल का अंत दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी के रूप में करना प्रत्येक टेनिस खिलाड़ी का सपना होता है। उन्होंने कहा कि यह हमारे खेल की सबसे मुश्किल चीजों में से एक है। ग्रैंडस्लैम जीतना और दुनिया के नंबर एक होना संभवतः खेल का शीर्ष है।

यूरोपियन टीम शतरंज चैम्पियनशिप - कार्लसन को द्रागनेव नें चौंकाया

बुदवा। पूर्व विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मैगनस कार्लसन अपने विश्व नंबर एक के ताज को मजबूत रखने के लिए इस समय यूरोपियन टीम चैंपियनशिप में अपने देश नॉर्वे की आठवीं वरीय टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे है । हालांकि दो राउंड के बाद भी उनकी टीम फिलहाल जीत दर्ज नहीं कर सकी है । पहले राउंड में कार्लसन नें पहले बोर्ड पर स्लोवेकिया के जेगुस पेचाक को पराजित किया पर उनकी टीम का मुक़ाबला 2-2 से बराबरी पर छूटा जबकि दूसरे राउंड में भी कार्लसन को निचले वरीय

औस्ट्रिया के द्रागनेव वालेंटिन नें ड्रॉ पर रोका और परिणाम स्वरूप उनकी टीम यह मुक़ाबला 1.5-2.5 से हार गयी , अब देखना होगा की क़तर मास्टर्स में बेहद खराब खेल के बाद कार्लसन 9 राउंड के इस टूर्नामेंट में कैसा खेल दिखाते है और क्या नॉर्वे को वह जीत दिला पाएंगे । कुल 36 देश इस यूरोपियन चैंपियनशिप में भाग ले रहे है जिनके बीच स्विस लीग के आधार पर कुल 9 राउंड खेले जाने है।

विश्व कप की असफलता के बाद पीसीबी ने बाबर आजम को कप्तानी से बर्खास्त करने का किया फैसला

नई दिल्ली: पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बाबर आजम को सभी प्रारूपों से कप्तान पद से हटाने का फैसला किया है। यह निर्णय पाकिस्तान द्वारा मौजूदा विश्व कप में बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण तीनों विभागों में खराब प्रदर्शन के कारण सेमीफाइनल में जगह बनाने में विफल रहने के बाद आया है।

रिपोर्ट के अनुसार,अगर बाबर अपना इस्तीफा सौंपने का फैसला करते हैं, तो बोर्ड इसे स्वीकार कर लेगा, अन्यथा पीसीबी उन्हें पद से बर्खास्त कर देगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि शान मसूद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज में और शाहीन शाह अफरीदी न्यूजीलैंड में टी20 सीरीज के लिए कप्तानी के प्रबल उम्मीदवार हैं। बाबर को 2019 में सफेद गेंद का कप्तान और 2021 में टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया था, लेकिन उनके नेतृत्व में ग्रीन शर्ट्स ने कोई आईसीसी या एशिया कप

खिताब नहीं जीता है। हालाँकि पाकिस्तान की टीम विश्व कप में शीर्ष टीम के रूप में गई थी, लेकिन वे अपनी क्षमता साबित करने में विफल रहे और ग्रुप चरण में टूर्नामेंट से बाहर हो गए।विश्व कप में ग्रीन शर्ट्स की विफलता के बाद बाबर को अपना समर्थन देते हुए, टीम के निदेशक मिकी आर्थर ने कहा था कि यह गलतियाँ करना अपराध नहीं है।

कप्तान का आज पीसीबी प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जका अशरफ से मिलने का कार्यक्रम है और उम्मीद है कि इसके बाद उनकी कप्तानी से संबंधित कोई घोषणा की जाएगी।

ओलिम्पिक की तैयारी के लिए करना पड़ता है परिवार-दोस्तों का त्याग : निशानेबाज मेराज अहमद खान

नई दिल्ली: भारतीय निशानेबाज मेराज अहमद खान कोरिया के चांगवोन में आई.एस.एस.एफ. विश्व कप राइफल के दौरान स्कीट शूटिंग में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने हैं। 2 बार के ओलिम्पियन खान ने स्वर्ण पदक जीतने से पहले क्वालीफाइंग के 2 दिनों में पुरुषों की स्कीट में 119-125 का स्कोर किया था। 45 वर्षीय खान उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के जमींदारों के एक परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता इलियास अहमद स्टेट लेवल ट्रैप शूटर रह चुके हैं। 1998 में कॉलेज की शिक्षा पूरी करने के बाद खान ने शूटिंग में रुचि लेना शुरू कर दिया। खान ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत वर्ष 2003 में इटली के लोनाटो में आई.एस.एस.एफ. विश्व कप के दौरान की थी। साल 2021 के लिए दुनिया में 14वें स्थान पर रहे। उन्हें टोक्यो ओलिम्पिक में पुरुषों की स्केट में

प्रतिस्पर्धा करते देखा गया था। खान ने 2016 रियो डी जनेरियो ओलिम्पिक में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया था। खान ने रियो डी जनेरियो में 2016 आई.एस.एस.एफ. विश्व कप में रजत पदक और दिल्ली में 2010 राष्ट्रमंडल निशानेबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। अपनी तैयारियों पर उन्होंने कहा कि खुदा जो भी करता है अच्छे के लिए करता है। हम कड़ी मेहनत करते हैं और चैंपियनशिप के लिए तैयारी करते हैं। हर खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता है। लेकिन यह सब तब सामने आता है जब सभी तैयारियों, रणनीतियों और मानसिक शक्ति की परीक्षा ली जाती है। सभी खिलाड़ी समान स्तर के हैं, लेकिन केवल एक को जीतना है। और यहीं से हमारी मेहनत रंग लाती है। खान ने कहा कि ओलिम्पिक जैसे बड़े आयोजनों में हिस्सा लेने के लिए आपको काफी कुर्बानियां देनी पड़ती हैं। मैंने परिवार, दोस्ती सब कुछ छोड़ दिया। पिछले 25 सालों से सिर्फ घर और शूटिंग में ही व्यस्त रहता हूं।

आईपीएलः सीएसके बेन स्टोक्स को रिलीज करने को तैयार; केकेआर फर्ग्यूसन को कर सकती है बाहर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2024 संस्करण के लिए चेन्नई सुपर किंग्स द्वारा बेन स्टोक्स को रिलीज किया जाना तय है। अनिच्छा के बावजूद, चेन्नई का यह निर्णय आईपीएल 2024 के लिए उनकी संभावित अनुपलब्धता पर आधारित है। कोच्चि में पिछली मिनी-नीलामी में सीएसके द्वारा 16.25 करोड़ रुपये में खरीदे गए इंग्लैंड के ऑलराउंडर ने पूरे सीज़न में केवल दो मैचों में भाग लिया।यह तय है कि स्टोक्स के बाएं घुटने की सर्जरी होगी और इस प्रक्रिया में ठीक होने के लिए लगभग दो महीने की आवश्यकता होगी। हालाँकि, चेन्नई सुपर किंग्स प्रबंधन मार्च-मई 2024 में होने वाली लीग के लिए उनकी उपलब्धता पर कोई जोखिम लेने को तैयार नहीं है।क्रिकबज के अनुसार, सीएसके प्रबंधन ने स्टोक्स के साथ चर्चा की है,

जिन्होंने विश्व कप के बाद ही आईपीएल पर ध्यान केंद्रित करने का संकेत दिया है। इंग्लैंड का विश्व कप अभियान समाप्त होने के बावजूद, सीएसके अधिकारियों ने अभी तक उनसे सीधे संपर्क नहीं किया है। आगामी सीज़न के लिए उनकी उपलब्धता के संबंध में उनके प्रबंधक के साथ बातचीत भी अनिर्णायक रही है सीएसके के एक अधिकारी ने क्रिकबज से कहा, अगर स्टोक्स उपलब्ध हो सकते हैं तो हम उन्हें रिलीज करने पर विचार नहीं करेंगे क्योंकि वह एक बड़े मैच के खिलाड़ी हैं और हम उनका बहुत सम्मान करते हैं। लेकिन अगर वह सीजन में नहीं आ पाते हैं तो हम उन्हें ब्लॉक कर देंगे। 16 करोड़ रुपये से हम कुछ अच्छे खिलाड़ी हासिल कर सकते हैं। इस बीच, एक और संभावित रिलीज़ लॉकी फर्ग्यूसन है। शुरुआत में 2022 में गुजरात टाइटन्स ने 10 करोड़ रुपये में खरीदा था, बाद में उन्हें 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ व्यापार किया गया था। उनकी चोट के इतिहास को देखते हुए, केकेआर प्रबंधन कथित तौर पर उनकी रिहाई पर विचार कर रहा है। नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच शार्दुल ठाकुर और हर्षल पटेल के बीच ट्रेड की भी अटकलें हैं। हालाँकि, यह पुष्टि की गई है कि ऐसा कोई व्यापार नहीं होगा। फ्रेंचाइजी को 26 नवंबर तक रिटेंशन और रिलीज की सूची की घोषणा करनी है। नीलामी 19 दिसंबर को दुबई के कोका कोला एरिना में होने वाली है।

नीरज चोपड़ा पुरुष विश्व एथलीट ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए नामित

नई दिल्ली। भारतीय स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा उन पांच एथलीटों में से एक हैं, जिन्हें पुरुष विश्व एथलीट ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। नीरज सहित जिन पांच एथलीटों को पुरस्कार के लिए नामित किया गया है, उन सभी ने 2023 में एथलेटिक्स में सनसनीखेज प्रदर्शन किया है और सभी ने

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप बुडापेस्ट 23 सहित दुनिया भर में हुए कई प्रतियोगिताओं में विश्व रिकॉर्ड के साथ खिताब जीता है।

पुरुष विश्व एथलीट ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए जिन खिलाड़ियों का चयन किया गया है उनके नाम इस प्रकार हैं-

1. नीरज चोपड़ा, (भारत, भाला फेंक एथलीट)- विश्व विजेता, एशियाई खेलों के चैंपियन।
2. रयान क्राउजर, (यूएसए, गोला फेंक)- विश्व रिकॉर्ड के साथ विश्व विजेता।
3. मोंडो डुप्लांटिस, (स्वीडेन, पोल वॉल्ट)- विश्व विजेता, विश्व रिकॉर्ड के साथ डायमंड लीग चैंपियन।
4. केल्विन किप्टम, (केन्या, मैराथन)- लंदन और शिकागो मैराथन विजेता, मैराथन विश्व रिकॉर्ड धारक।
5. नूह लायल्स,(यूएसए, 100 मीटर/200 मीटर)- विश्व 100 मीटर और 200 मीटर चैंपियन, 200 मीटर में छह फ़ाइनल में अपराजित।

वर्ष 2023 विश्व एथलीटों के लिए मतदान प्रक्रिया-

तीन-तरफा मतदान प्रक्रिया के जरिये फाइनलिस्ट का निर्धारण किया गया।

विश्व एथलेटिक्स परिषद और विश्व एथलेटिक्स परिवार ने ईमेल के जरिए अपने वोट डाले, जबकि प्रशंसकों ने विश्व एथलेटिक्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने फैसले ऑनलाइन दर्ज किए, जहां रिकॉर्ड 2 मिलियन वोट दर्ज किए गए।

मुझे माफ कर दो : पाक क्रिकेटर अब्दुल रज्जाक ने Aishwarya Rai से मांगी माफी

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व ऑलराऊंडर अब्दुल रज्जाक ने बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी पर आखिरकार माफी मांग ली है। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के क्रिकेट विश्व कप 2023 से बाहर हो जाने के बाद एक टॉक शो पर रज्जाक ने ऐश्वर्या से जुड़ी एक ऐसी उदाहरण दी थी जिसकी सोशल मीडिया पर खूब निंदा की है। और तो और पाकिस्तान के क्रिकेटरों ने भी इस टिप्पणी को अनुचित माना था। आखिर रज्जक ने अपनी गलती का अहसास होते ही माफी मांग ली। उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर एक पोस्ट डालकर माफी मांगी है। रज्जाक ने लिखा- मैं कल के लिए बहुत शर्मिंदा हूं और मुझे एहसास है कि मैंने बहुत बुरे शब्द कहे थे। मैं सभी से माफी मांगता हूं, कृपया मुझे माफ कर दें। अब्दुल रज्जाक ने हाल ही में मीडिया से बातचीत में शाहिद अफरीदी और उमर गुल की मौजूदगी में सारी हदें पार कर दीं थीं। अफरीदी अपनी टिप्पणी को रोकने या निंदा करने के बजाय हंसते और तालियां बजाते नजर आए। रज्जाक ने शो के दौरान कहा था कि एक कप्तान के रूप में यूनिस खान का इरादा अच्छा था और इससे मुझे बेहतर प्रदर्शन करने का आत्मविश्वास मिला। यहां हर कोई पाकिस्तान की मंशा और टीम के बारे में सवाल कर रहा है। दरअसल, पाकिस्तान में खिलाड़ियों को विकसित करने और निखारने की हमारी मंशा अच्छी नहीं है। अगर आप सोचते हैं कि ऐश्वर्या राय से शादी करने से एक अच्छा और नेक बच्चा पैदा हो जाएगा तो यह गलत होगा, ऐसा कभी नहीं होगा। रज्जाक के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर उनकी जमकर निंदा हुई थी। क्रिकेट फैंस ने उनके दिमाग स्तर को कमजोर तक बोल दिया। यहां तक कि शो में उनके साथ बैठे उमर गेल ने भी इसकी निंदा की। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट पर लिखा- प्रिय भाई, @SAfridiOfficial भाई और मैंने अब्दुल रज्जाक ने जो कहा उसका समर्थन करने के लिए हमने ताली नहीं बजाई। यह व्यंग्य था। यह नैतिक रूप से गलत था।

भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम घोषित, लॉरेन चीटल की वापसी; कप्तान की पुष्टि नहीं

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के अपने बहु-प्रारूप दौरे के लिए 16-खिलाड़ियों की महिला टीम की घोषणा की है। टीम में बाएं हाथ की तेज गेंदबाज लॉरेन चीटल की चार साल बाद वापसी हुई है। ऑस्ट्रेलिया क्रिसमस और नए साल की अवधि के दौरान मुंबई में दो स्थानों पर बहु-प्रारूप श्रृंखला में भारत के खिलाफ एक टेस्ट, तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय और तीन टी20 मैच खेलेगी। पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों में नहीं चुने जाने के बावजूद ग्रेस हैरिस ने टी20 टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है।

2016 में 17 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाली चीटल मार्च 2019 के बाद पहली बार ऑस्ट्रेलियाई टीम में लौटी हैं। चोटों से जूझ रही चीटल, ने इस सीज़न में दस महिला बिग बैश लीग मैचों में 19

विकेट लेकर सिडनी सिक्सर्स की गेंदबाज़ी इकाई का नेतृत्व किया है। 21-24 दिसंबर तक एकमात्र टेस्ट के बाद, दोनों टीमें 28 दिसंबर से 2 जनवरी तक वानखेड़े स्टेडियम में तीन वनडे और 5 से 9 जनवरी तक डीवाई पाटिल स्टेडियम, नवी मुंबई में तीन टी20 मैच खेलेंगी सीए के प्रदर्शन प्रमुख (महिला क्रिकेट) और राष्ट्रीय चयनकर्ता, शॉन फ्लेगलर ने कहा, भारत में भारत के खिलाफ एक बहु-प्रारूप श्रृंखला रोमांचक है और हमारे समूह के लिए एक बड़ी चुनौती पेश करती है। हमारे अधिकांश खिलाड़ियों ने, पिछले दिसंबर की द्विपक्षीय श्रृंखला या डब्ल्यूपीएल के माध्यम से, पिछले 12 महीनों में मुंबई में क्रिकेट खेला है और परिस्थितियों का अनुभव किया है। हमारे पास परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने का मौका होगा और मुंबई में हमारी तैयारी में स्थानीय प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अभ्यास मैच भी शामिल होगा।

ऑस्ट्रेलियाई टीम इस प्रकार है: डार्सी ब्राउन, लॉरेन चीटल (केवल टेस्ट), हीथर ग्राहम, एश्ले गार्डनर, किम गर्थ, ग्रेस हैरिस (केवल टी20), एलिसा हीली, जेस जोनासेन, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्राथ, बेथ मूनी, एलिसे पेरी, मेगन शट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वेयरहैम।

मोहम्मद सिराज से छीनी वनडे नंबर 1 बॉलर की गद्दी, यह स्पिनर हुआ विराजमान

दुबई । भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को पछाड़कर दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज दुनिया के नंबर एक एकदिवसीय गेंदबाज बन गए। सिराज एक हफ्ते तक ही शीर्ष रैंकिंग पर काबिज रह पाए। सिराज पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी को हटाकर 8 नवंबर को दुनिया के नंबर एक एकदिवसीय गेंदबाज बने थे लेकिन नवीनतम सूची में दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर ने उनकी जगह ले ली है।महाराज ने एक नवंबर से विश्व कप के तीन मैच में सात विकेट चटकाए हैं जिसमें न्यूजीलैंड के खिलाफ पुणे में चार विकेट भी शामिल हैं। सिराज और महाराज के बीच हालांकि सिर्फ तीन रेटिंग अंक का अंतर है। सिराज विश्व कप में अब तक भारत के पांचवें सबसे सफल गेंदबाज हैं। वह नौ मैच में 12 विकेट हासिल कर चुके हैं

जिसमें 16 रन पर तीन विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और स्पिनर कुलदीप यादव रैंकिंग में क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। बुमराह नौ मैच में 17 विकेट के साथ मौजूदा विश्व कप में भारत के सबसे सफल गेंदबाज हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में मोहम्मद शमी 12वें और रविंद्र जडेजा 19वें स्थान पर हैं। भारत के शुभमन गिल हालांकि बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम दूसरे स्थान पर हैं। गिल और उनके बीच आठ रेटिंग अंक का अंतर है। गिल ने विश्व कप में अब तक सात मैच में 270 रन बनाए हैं। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली चौथे स्थान पर बरकरार हैं। वह नौ मैच में 2 शतक और 5 अर्धशतक से 594 रन बनाकर टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर हैं

कप्तान रोहित शर्मा पांचवें जबकि श्रेयस अय्यर 13वें स्थान पर हैं। लोकेश राहुल ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ के साथ संयुक्त रूप से 17वें स्थान पर हैं। ऑलराउंडर की सूची में जडेजा 10वें स्थान पर हैं। बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन शीर्ष पर चल रहे हैं। टखने की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हुए हार्दिक पंड्या 16वें स्थान पर खिसक गए हैं।

आई.सी.सी. नॉकआऊट में बुरी किस्मत पर बोले रोहित शर्मा- भाग्य बहादुरों का साथ देता है

मुंबई। भारत ने पिछले कुछ हफ्तों में क्रिकेट विश्व कप के लीग चरण में सभी बाधाओं को पार करते हुए अपना विजय अभियान जारी रखा लेकिन कप्तान रोहित शर्मा चाहते हैं कि न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार को होने वाले सेमीफाइनल में भाग्य भी उनकी टीम का साथ दे। रोहित ने सेमीफाइनल की पूर्व संध्या पर संवाददाताओं से कहा कि समय आ गया है कि भाग्य आपका साथ दे और भाग्य बहादुरों का साथ देता है। सेमीफाइनल से पूर्व भारत के एकमात्र ट्रेनिंग सत्र से पूर्व रोहित ने कहा कि अगर आप देखेंगे तो टूर्नामेंट के पहले हाफ में हमने शुरुआती 5 मैच में लक्ष्य का पीछा किया और फिर अगले 4 मैच में पहले बल्लेबाजी की। हम जिन विभागों पर ध्यान देना चाहते थे उनमें से अधिकांश पर हम काम कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन जैसा कि मैंने पहले कहा- हमें इस हफ्ते की अहमियत पता है लेकिन मुझे नहीं लगता कि हम जो कुछ कर रहे है, हमें उससे कुछ अलग करने की जरूरत है। रोहित ने न्यूजीलैंड को प्रतियोगिता की संभवतः 'सबसे अनुशासित' टीम करार दिया। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड संभवतः सबसे अनुशासित टीम है। वे स्मार्ट क्रिकेट खेलते हैं, वे विरोधी टीम को काफी अच्छी तरह समझते हैं। सभी आईसीसी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल और फाइनल में खेलने को लेकर उनके प्रदर्शन में बेहद निरंतरता है। रोहित ने कहा कि उनकी टीम पर 1983 की कपिल देव और 2011 की महेंद्र सिंह धोनी की टीम उपलब्धि को दोहराने का दबाव है लेकिन मौजूदा खिलाड़ियों का ध्यान अपने प्रदर्शन में सुधार पर है। उन्होंने कहा कि यह इस टीम की खूबसूरती है। जब हमने पहली बार विश्व कप जीता था तो टीम के आधे खिलाड़ी पैदा भी नहीं हुए थे। जब हमने पिछली बार विश्व कप जीता तो आधे खिलाड़ी क्रिकेट भी नहीं खेल रहे थे। रोहित ने कहा कि मैं उन्हें इस बारे में बात करते हुए नहीं देखता कि हमने पहला और आखिरी विश्व कप कैसे जीता। ध्यान सिर्फ बेहतर होना और सुधार के लिए क्या किया जाए इस पर है। ध्यान हमेशा वर्तमान पर होता है। विश्व कप के अब तक के सभी मैचों में वानखेड़े स्टेडियम में दूधिया रोशनी में बल्लेबाजी करना चुनौतीपूर्ण साबित हुआ है लेकिन रोहित ने कहा कि टॉस की बड़ी भूमिका नहीं होगी। उन्होंने कहा कि मैंने यहां बहुत क्रिकेट खेला है। ये 4 या 5 मैच वानखेड़े क्या है, इसके बारे में बहुत कुछ नहीं बताएंगे।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 83 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड का मूल्य उछलकर 83 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 79 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक मंगलवार को राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के दूसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 0.28 डॉलर यानी 0.34 फीसदी की उछाल के साथ 82.80 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.26 डॉलर यानी 0.33 फीसदी की बढ़त के साथ 78.52 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

आज देश में बिकने वाला हर मोबाइल हैंडसेट भारत निर्मित, नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत का बयान

नई दिल्ली। नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने कहा कि इस साल यानी 2023 में भारतीय बाजार में बिकने वाले लगभग 100 फीसदी मोबाइल 'मेड इन इंडिया'थे। वहीं, पिछले साल यह आंकड़ा 98 फीसदी था। कांत का यह बयान ऐसे समय में आया है जब पीएम नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच मोबाइल निर्माण को लेकर सियासी वार-पलटवार हुआ है। भारत के जी-20 के शेरपा कांत मंगलवार को यहां जी-20 दिल्ली शिखर सम्मेलन- समावेशी विकास और वैश्विक दक्षिण का उदय विषय पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। बाद में उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी पोस्ट में कहा कि 2014 में भारत की लगभग 81 फीसदी मोबाइल हैंडसेट की मांग चीनी आयात से पूरी होती थी। लेकिन आज हालात बदल गए हैं और वर्तमान में भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माता देश है।

2014-2022 के दौरान भारत में 2 अरब से अधिक मोबाइल हैंडसेट का निर्माण हुआ। उन्होंने आगे कहा कि 2023 में भारत में मोबाइल हैंडसेट निर्माण का आंकड़ा 27 करोड़ को पार कर जाएगा। उन्होंने अपनी पोस्ट में यह भी कहा कि वर्तमान में भारत में निर्मित होने वाले 20 फीसदी मोबाइल हैंडसेट का निर्यात किया जाता है। 2014 से 2022 के दौरान देश में मोबाइल का विनिर्माण 23 फीसदी चक्रवृद्धि वार्षिक दर से बढ़ा है।

22 नवंबर से खुलेगा 20 साल बाद टाटा समूह का पहला आईपीओ

नई दिल्ली। टाटा समूह 20 साल बाद फिर शेयर बाजार में उतर रहा है। समूह की कंपनी टाटा टेक्नोलॉजी का आईपीओ 22 नवंबर को खुलकर 24 नवंबर को बंद होगा। टाटा टेक टाटा मोटर्स की इकाई है। आईपीओ में टाटा मोटर्स 11.4 फीसदी हिस्सा बेचेगी। कंपनी ने 3,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई है। टाटा टेक के इश्यू में अल्फा टीसी 2.4 फीसदी और टाटा कैपिटल ग्रोथ फंड 1.2 फीसदी हिस्सा बेचेगी। टाटा समूह आखिरी बार 2004 में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (टीसीएस) का आईपीओ लेकर आया था।

निया के कई देशों में चल रही फूड चैन 'बीकानेरवाला' के चेयरमैन केदारनाथ अग्रवाल का निधन

बीकानेर। 'बीकानेरवाला' नाम से दुनिया के कई देशों में चल रही फूड चैन के चेयरमैन केदारनाथ अग्रवाल का 86 की उम्र में निधन हो गया। उनकी देश में 60 से अधिक आउटलेट हैं, वहीं अमेरिका, न्यूजीलैंड, सिंगापुर, नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात आदि देशों में भी कारोबार हैं। केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, मेयर सुशीला कंवर राजपुरोहित, विधानसभा चुनाव-2023 में बीकानेर पश्चिम से भाजपा प्रत्याशी जेठानंद व्यास ने अग्रवाल के निधन पर शोक जताया है। उल्लेखनीय है कि केदारनाथ अग्रवाल का परिवार यूं तो बीकानेरी रसगुल्ला, भुजिया, नमकीन का पुश्तैनी कारोबार था मगर पहले यह खोमचे या छोटी दुकान के स्तर का था। केदारनाथ ने दिल्ली में कारोबार की ठानी। बाल्टी में भरकर दिल्ली की सड़कों पर रसगुल्ले-भुजिया बेचे। स्वाद लोगों की जुबान पर चढ़ गया प्यार से केदारनाथ को नाम मिला 'काकाजी'। दिल्ली के इस काकाजी ने जल्द ही एक दुकान लेकर 'बीकानेरवाला' नाम से कारोबार को बढ़ाया। परिवार के नजदीकी रिश्तेदार रामनारायण अग्रवाल बताते हैं, केदारनाथ अपने छह भाइयों में सबसे छोटे थे। सुखजी, जुगलजी, सत्यनारायणजी, लभजी, हरिजी बाकी भाई थे। अब सभी भाई दुनिया से विदा हो चुके हैं लेकिन सभी ने मिलकर कारोबार को ऊंचाइयों पर पहुंचाया।

रामनारायण अग्रवाल बताते हैं कि बीकानेर में लालजी होटल इसी परिवार का प्रतिष्ठान है। इसके साथ ही रूपचंद-मोहनलाल एंड संस फेमिली भी इसी परिवार से जुड़ी है।

सैन फ्रांसिस्को में अमेरिका की व्यापार प्रतिनिधि से मिले पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि राजदूत कैथरीन ताइ से मुलाकात की। दोनों नेताओं की यह मुलाकात इंडो पैसिफिक इकॉनोमिक फ्रेमवर्क (आईपीईएफ) से इतर हुई। गोयल और कैथरीन ताई की यह मुलाकात 30 मिनट चली। इस दौरान व्यापार के मुद्दे पर बात हुई।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि पीयूष गोयल 13 नवंबर को अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को पहुंचे। गोयल ने अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई और दक्षिण कोरिया के व्यापार मंत्री अहं डुक-ग्यून के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। वाणिज्य मंत्री ने टेस्ला फैक्टरी का भी दौरा किया। इस दौरान उन्होंने फ्रेमोंट में यूनिट और टेस्ला समूह के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत की।उल्लेखनीय है कि वाणिज्य मंत्री गोयल भारत-प्रशांत आर्थिक संरचना और एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग से जुड़े देशों की बैठकों और मंत्रिस्तरीय कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए 13 से 16 नवंबर तक अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को के दौरे पर हैं।

थोक महंगाई दर अक्टूबर में सात महीने के निचले स्तर -0.52 फीसदी पर

नई दिल्ली। खाने-पीने के सामानों में गिरावट के कारण थोक महंगाई दर भी अक्टूबर में घटकर-0.52 फीसदी पर आ गई है। अप्रैल से लगातार यह सातवां महीना है, जब थोक महंगाई दर शून्य से नीचे रही है। इससे पहले सितंबर में थोक महंगाई -0.26 फीसदी थी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को जारी आंकड़ों में बताया कि थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर अक्टूबर में घटकर -0.52 फीसदी रही है। अक्टूबर, 2022 में डब्ल्यूपीआई आधारित थोक महंगाई दर 8.67 फीसदी थी। इससे पिछले महीने सितंबर में यह -0.26 फीसदी थी। अगस्त में यह-0.52 फीसदी रही थी। डब्ल्यूपीआई आधारित थोक महंगाई अप्रैल से लगातार शून्य से नीचे है। थोक महंगाई दर में गिरावट की वजह रासायनिक उत्पादों, खनिज तेल और कपड़ा आदि है। आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर महीने में खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर घटकर 2.53 फीसदी पर आ गई है, जो सितंबर में 3.35 फीसदी थी। ईंधन एवं बिजली खंड की महंगाई -2.47 फीसदी रही है, जो सितंबर में -3.35 फीसदी थी। इसी तरह विनिर्मित उत्पादों की महंगाई अक्टूबर में -1.13 फीसदी रही, जबकि सितंबर में -1.34 फीसदी थी। मंत्रालय ने कहा कि अक्टूबर में थोक महंगाई शून्य से नीचे रहने की मुख्य वजह पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में रसायनों और रासायनिक उत्पादों, बिजली, कपड़ा, बुनियादी धातुओं, खाद्य उत्पादों, कागज और कागज उत्पादों आदि की कीमतों में गिरावट रही है।राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) की ओर से पिछले जारी आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर में खुदरा महंगाई दर सालाना आधार पर घटकर 5 महीनों के निचले स्तर 4.87 फीसदी पर आ गई है।

कैलिफोर्निया पहुंचे गोयल, टेस्ला की अत्याधुनिक फैक्टरी का किया दौरा

नई दिल्ली/कैलिफोर्निय। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कैलिफोर्निया के फ्रेमोंट स्थित टेस्ला इंक की अत्याधुनिक विनिर्माण फैक्टरी का दौरा किया। वाणिज्य मंत्री अमेरिका की यात्रा पर हैं।

पीयूष गोयल ने एक्स पर लिखा है कि प्रतिभाशाली भारतीय इंजीनियरों और वित्त पेशेवरों को वरिष्ठ पदों पर काम करते हुए और गतिशीलता में बदलाव के लिए टेस्ला की उल्लेखनीय यात्रा में योगदान करते देखकर बेहद खुशी हुई। टेस्ला ईवी आपूर्ति शृंखला में भारत से ऑटो कंपोनेंट आपूर्तिकर्ताओं के बढ़ते महत्व को देखकर भी गर्व है। यह भारत से अपने घटकों के आयात को दोगुना करने की राह पर है। मिस्टर एलन मस्क की याद आई उनकी चुंबकीय उपस्थिति और मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। हमारे टेलीग्राम ग्रुप को ज्वाइन करने के लिये यहां क्ल करें, साथ ही लेटेस्ट हिन्दी खबर और वाराणसी से जुड़ी जानकारी के लिये हमारा ऐप डाउनलोड करने के लिये यहां क्लिक करें।

ओबेरॉय समूह के कार्यकारी अध्यक्ष पीआरएस ओबेरॉय का 94 साल की उम्र में निधन

नई दिल्ली। ओबेरॉय समूह के मानद चेयरमैन पृथ्वी राज सिंह ओबेरॉय का सुबह निधन हो गया। उन्होंने 94 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। उन्हें देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। ओबेरॉय समूह के एक प्रवक्ता ने पृथ्वी राज सिंह ओबेरॉय के निधन की पुष्टि की है। वह भारत में होटल व्यवसाय का चेहरा बदलने के लिए जाने जाते थे। वह ओबेरॉय समूह की प्रमुख कंपनी ईआईएच लिमिटेड के कार्यकारी अध्यक्ष और ओबेरॉय होटल्स प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष थे। उन्होंने होटल व्यवसाय को नई दिशा देने के साथ ही विभिन्न लग्जरी होटलों की स्थापना की थी। पीआरएस ओबेरॉय का जन्म 1929 में नई दिल्ली में हुआ था। ओबेरॉय समूह के संस्थापक अध्यक्ष राय बहादुर मोहन सिंह ओबेराय ने 1934 में एक अंग्रेज से क्लार्कस दिल्ली में और थी क्लार्कस शिमला में दो प्रापर्टी खरीदी थी। इसके बाद उन्होंने अपने दो बेटों तिलक राज सिंह ओबरॉय और पृथ्वी राज सिंह ओबरॉय की सहायता से भारत में और विदेशों में होटल कारोबार किया।

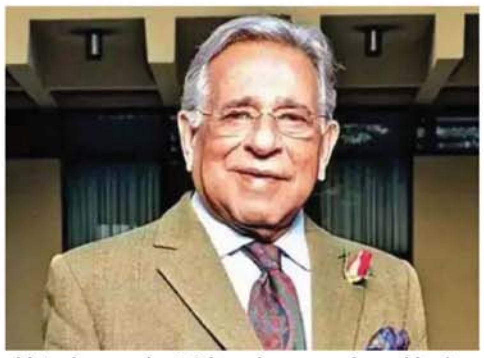

यरमैन-निदेशक के खिलाफ मुंबई में एफआईआर, कंपनी ने आरोपों का खंडन किया

नई दिल्ली/कैलिफोर्निय। मुंबई पुलिस ने महादेव सट्टेबाजी एप के संबंध में डाबर ग्रुप के निदेशक गौरव बर्मन और कंपनी के अध्यक्ष मोहित बर्मन सहित 32 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इन लोगों पर धोखाधड़ी और जुए की अलग-अलग धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) के अनुसार, कथित महादेव सट्टेबाजी एप में कथित आरोपी के रूप में मोहित बर्मन 16वें आरोपी हैं। गौरव बर्मन 18वें नंबर पर हैं मुंबई पुलिस के पास दर्ज मामले के अनुसार, 31 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी है। 32 अज्ञात लोगों का भी जिक्र है। सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश बनकर की शिकायत पर सात नवंबर को प्राथमिकी दर्ज की गयी थी। एफआईआर में एक्टर साहिल खान का नाम आरोपी नंबर 26 के रूप में शामिल किया गया है। साहिल खान पर कथित तौर पर महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी एप से संबंधित एक और सट्टेबाजी एप चलाने का आरोप है।इस मामले में डाबर की तरफ से कहा गया कि सट्टेबाजी से जुड़े कथित आरोप बेबुनियाद हैं। डाबर ग्रुप ने इस मामले में प्राथमिकी को 'शरारतपूर्ण कृत्य' करार दिया। बर्मन परिवार ने मोहित वी बर्मन और गौरव वी बर्मन के खिलाफ इस तरह के आरोपों और एफआईआर का जोरदार खंडन किया है।

भारत ने एशियाई विकास बैंक से 40 करोड़ डॉलर का किया ऋण समझौता

नई दिल्ली। भारत सरकार ने एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के साथ 40 करोड़ डॉलर के नीति-आधारित ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। एडीबी ने यह कर्ज भारत सरकार के शहरी सुधार एजेंडे और कुशल शासन प्रणाली का समर्थन करने के लिए दिया है।वित्त मंत्रालय ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि केंद्र सरकार ने एडीबी के साथ 40 करोड़ डॉलर के नीति-आधारित ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। मंत्रालय ने बताया कि इसका उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाले शहरी बुनियादी ढांचे के निर्माण, बेहतर सार्वजनिक सेवाओं और कुशल शासन प्रणालियों के माध्यम से शहरी जीवन में सुधार लाना है।

मंत्रालय ने बताया कि सतत शहरी विकास और सेवा वितरण कार्यक्रम के उप-कार्यक्रम-2 के लिए इस ऋण समझौते पर आर्थिक मामलों के विभाग की संयुक्त सचिव जूही मुखर्जी और एडीबी के भारत रेजिडेंट मिशन के निदेशक ताकेओ कोनिशी ने हस्ताक्षर किए। मंत्रालय के मुताबिक ऋण समझौते पर हस्ताक्षर के बाद मुखर्जी ने कहा कि यह कार्यक्रम समावेशी, जुझारू और टिकाऊ बुनियादी ढांचे के प्रावधान के माध्यम से शहरों को रहने योग्य और आर्थिक वृद्धि का केंद्र बनाने के सुधारों पर केंद्रित है।

खुदरा महंगाई दर अक्टूबर में चार माह के निचले स्तर 4.87 फीसदी पर

नई दिल्ली। महंगाई के मोर्चे पर आम आदमी को राहत देने वाली खबर है। खाने-पीने का सामान सस्ता होने से अक्टूबर में खुदरा महंगाई दर घटकर चार महीने के निचले स्तर 4.87 फीसदी पर आ गई है।

इससे पिछले महीने सितंबर में खुदरा महंगाई दर 5.02 फीसदी थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया कि अक्टूबर महीने में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई 4.87 फीसदी रही। इससे पिछले महीने सितंबर में ये तीन महीने के निचले स्तर 5.02 फीसदी रही थी जबकि जून में खुदरा महंगाई दर 4.87 फीसदी दर्ज की गई थी। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने अक्टूबर महीने की समीक्षा बैठक में चालू वित्त वर्ष 2023-24 में खुदरा मुद्रास्फीति यानी महंगाई दर 5.4 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। यह पिछले वित्त वर्ष 2022-23 के 6.7 फीसदी के मुकाबले कम है। सरकार ने आरबीआई को खुदरा महंगाई दर दो फीसदी घट-बढ़ के साथ 4 फीसदी पर रखने की जिम्मेदारी दी हुई है।

जीईएम पोर्टल से चालू वित्त वर्ष में अब तक खरीद दो लाख करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली। सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पोर्टल से वस्तुओं और सेवाओं की खरीद का आंकड़ा मील का पत्थर साबित हुआ है। चालू वित्त वर्ष 2023-24 में विभिन्न मंत्रालयों और विभागों की खरीद बढ़ने से जीईएम पर खरीद दो लाख करोड़ रुपये को पार कर गई है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को 'एक्स' पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया में लिखा है कि जीईएम के लिए यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 के सिर्फ आठ महीने में ई-मार्केटप्लेस मंच से खरीद का आंकड़ा दो लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। वित्त वर्ष 2021-22 में खरीद मूल्य 1.06 लाख करोड़ रुपये रहा था। मंत्रालय के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष यह आंकड़ा दो लाख करोड़ रुपये को पार कर गया था जबकि चालू वित्त वर्ष में यह आंकड़ा तीन लाख करोड़ रुपये के पार निकल सकता है।

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों द्वारा वस्तुओं और सेवाओं की ऑनलाइन खरीद के लिए जीईएम पोर्टल को नौ अगस्त, 2016 को लॉन्च किया गया था। जीईएम के पास 63 हजार से अधिक सरकारी खरीदार संगठन और 62 लाख से अधिक विक्रेता और सेवाप्रदाता हैं। फिलहाल सरकारी विभागों, मंत्रालयों, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों, राज्य सरकारों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों को इस पोर्टल के माध्यम से लेन-देन की अनुमति है। इस पोर्टल पर कार्यालय की स्टेशनरी से लेकर वाहन तक खरीदे जा सकते हैं।

एपल-गूगल और अमेजन के खिलाफ पांच हजार करोड़ रुपये के कर की जांच, आयकर ने कंपनियों के जवाब को किया खारिज

नई दिल्ली। आयकर विभाग विज्ञापन, मार्केटिंग, प्रमोशन खर्च, रॉयल्टी भुगतान, ट्रेडिंग, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट व मार्केटिंग सपोर्ट सेवाओं से संबंधित लेनदेन पर तीनों टेक दिग्गजों की जांच कर रहा है। एपल की भारतीय यूनिट ओरिजिनल उपकरणों की खरीदारी और उन्हें घरेलू बाजार में बेचने को लेकर जांच के दायरे में है। कर भुगतान नहीं करने के मामले में आयकर विभाग एपल, गूगल और अमेजन की भारतीय शाखाओं की जांच कर रहा है। मामला 5,000 करोड़ रुपए से ज्यादा के संभावित कर से जुड़ा है। 2021 में शुरू हुई एक जांच के तहत अधिकारियों ने इन कंपनियों से उनकी ट्रांसफर प्राइसिंग प्रैक्टिस के संबंध में जवाब मांगा है। इस दौरान विभाग ने कंपनियों की ओर से पेश किए गए जवाब को भी खारिज कर दिया है। आयकर विभाग विज्ञापन, मार्केटिंग, प्रमोशन खर्च, रॉयल्टी भुगतान, ट्रेडिंग, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट व मार्केटिंग सपोर्ट सेवाओं से संबंधित लेनदेन पर तीनों टेक दिग्गजों की जांच कर रहा है। एपल की भारतीय यूनिट ओरिजिनल उपकरणों की खरीदारी और उन्हें घरेलू बाजार में बेचने को लेकर जांच के दायरे में है। हालांकि, एपल ने कहा कि यह कर के दायरे से बाहर है। एपल का भारत में 2022-23 के दौरान कारोबार 48 फीसदी बढ़कर करीब 50,000 करोड़ रुपये पहुंच गया। शुद्ध मुनाफा बढ़कर 2,229 करोड़ रुपये पहुंच गया है।

कहानी

पासवाले घर की बहू

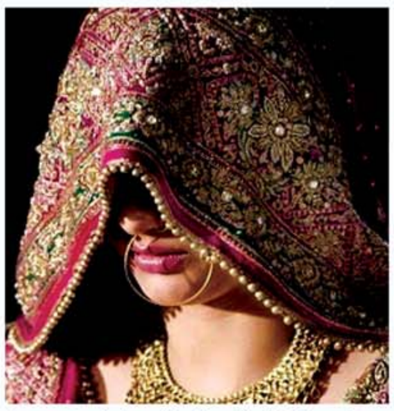

वह आराम से आठ बजे सोकर उठती, चाय पीती, फिर नहा-धोकर सज-धजकर बैठ जाती. लोगों से चहक-चहककर बातें करती, क्योंकि मायका बगल में होने के कारण उसे माता-पिता से दूर होने का एहसास ही नहीं हुआ। ग्यारह-बारह बजे अपने कमरे में चली जाती और घंटों सोती रहती, केवल खाने व चाय के लिए निकलती। सुबह-शाम उसके भतीजे-भतीजी डिब्बा लिए हाज़िर रहते, 'मम्मी ने दिया है, बुआ को बहुत पसंद है।' बार-बार नाम लेकर पुकारने पर भी ऋषभ ने जवाब नहीं दिया। चाय ठंडी हुई जा रही थी, इसलिए विवश होकर मैं ही ऊपर पहुंच गई, जहां रिया अपनी छत पर खड़ी उससे बतिया रही थी। उनके प्रेमभरे 'गुटर गूं' में मेरे तीक्ष्ण स्वर ÷चाय पीनी है? ने विघ्न डाल दिया। रिया वहां से टली नहीं, मुस्कुराकर बोली, नमस्ते आंटीजी। मैंने अभिवादन का जवाब दिया और पैर पटकती नीचे उतर आई, बेशरम कहीं की, मां के सामने ही उसके बेटे से प्रेम की पींगें बढ़ा रही है, कोई लिहाज़-संकोच है ही नहीं। मां, कहां है मेरी चाय? नीचे आकर ऋ षभ ने पूछा। देख ऋषभ, अब तू बच्चा नहीं है, एक ज़िम्मेदार बैंक ऑफिसर है। छत के उस कोने में खड़े तुम दोनों क्या खुसुर-फुसुर करते रहते हो? बचपन में साथ खेलते थे, मैंने ध्यान नहीं दिया। बड़े हुए तो एक ही कॉलेज में थे, सो मैं चुप रही, लेकिन अब, अब क्या बातें होती हैं? मां, हमने बचपन से लेकर अब तक एक लंबा समय साथ में बिताया है, अब तो हमें एक-दूसरे से बात करने की आदत हो गई है। तुम व्यर्थ ही चिंता करती रहती हो। हमारे बीच ऐसा कुछ भी तो नहीं है। हम सिर्फ बात ही तो करते हैं। 'बात बढ़ते समय नहीं लगता। मेरी भृकुटी में बल पड़ रहे थे। अपने योग्य, सुंदर बेटे की पड़ोस की साधारण-सी रिया से नज़दीकियां मुझसे बर्दाश्त नहीं हो रही थीं। ऋषभ के 'कुछ भी तो नहीं है' कहने पर भी मुझे विश्वास नहीं हुआ। रिया के बदले रुख पर मैं हैरान-परेशान रहती थी। आजकल आए दिन कभी पकौड़े की प्लेट, तो कभी अचार की शीशी लिए हाज़िर हो जाती थी। ऐसे ही एक दिन वो घर पर आ धमकी। उसे देख मैंने कहा, 'सूट तो बड़ा सुंदर है। इसे दिखाने आई थी या पकौड़े देने?' 'कुछ भी समझिए आंटीजी, वैसे कैसी लग रही हूं?' 'ठीक है।' मुझे कहना पड़ा, उसे देखकर ही मैं शंकाग्रस्त हो जाती। बचपन में दिन-रात साथ खेलते बच्चों को युवावस्था में अलग कर देना मुश्किल होता है। हम तीन बहनों की संतानों में ऋषभ इकलौता था। पति के खानदान में भी वह सबसे बड़ा और लाड़-प्यार से पला था। उसकी शादी को लेकर हम सबने बड़े सपने संजोए थे, किंतु हमारे सारे अरमानों पर पानी फिर गया। जल्दी ही ऋषभ ने रिया से विवाह की घोषणा करके हम सबको गहरा आघात दिया। हज़ारों कमानेवाले ऋषभ की अकेली विवाहिता बहन रागिनी ने इसका पुरज़ोर विरोध किया। मैंने तो घर छोड़कर जाने की धमकी तक दे डाली, पर ऋषभ प्रभावहीन रहा। बोला, 'आप घर छोड़कर क्यों जाएंगी? मैं ही अलग हो जाऊंगा। बस, रिया से शादी करवा दीजिए।' 'करवा दूंगी। सारे निर्णय तो खुद ले चुका है। शादी भी कर ले।' 'ठीक है, कोर्ट-मैरिज कर लेता हूं। मुझे तो आपके विरोध का कारण समझ नहीं आ रहा है। हमारी जाति की है, पढ़ी-लिखी, धनी परिवार की है और सबसे बड़ी बात मुझे पसंद है।' 'मैंने जैसी बहू की कल्पना की थी, वो वैसी नहीं है। सिर चढ़ी- नखरैल, पता नहीं क्या देखा तूने उसमें?' 'शादी तो मुझे करनी है, मुझे पसंद है वह।' 'भइया! आपको मम्मी से ऐसे बात नहीं करनी चाहिए।' 'तू चुप रह, मम्मी की चमची। अभी दो दिन में संदीप के पास चली जाएगी। तूने भी तो की थी अपनी पसंद से शादी, मैंने कोई विरोध किया था?' रागिनी चुप हो गई, उसने भी प्रेमविवाह किया था, लेकिन मैंने उसमें अपनी सहमति दी थी। मैं कुछ बोलती उससे पहले ऋषभ के पापा बोले, ऋषभ की शादी रिया के साथ ही होगी। जवान लड़का घर से चला जाए, यही चाहते हो क्या तुम लोग? यह सब मैं नहीं होने दूंगा। अब कोई एक शब्द नहीं बोलेगा। शादी की तैयारी करो। उसके बाद सबने चुप्पी साध ली। शादी, बारात तक मैं बिल्कुल शांत रही। मुंह दिखाई में पांच तोले का हार दिया, लेकिन यह देखकर मेरा मुंह उतर गया कि रिया के माता-पिता ने दान-दहेज काफ़ी कम दिया था। हालांकि बारातियों का स्वागत बढ़िया था। रिया की व्यक्तिगत सभी चीज़ें अच्छी क्वालिटी की थीं, पर हर पारंपरिक सास जैसे घर के अन्य सदस्यों व वर के लिए कीमती गिफ्ट व नक़द की अपेक्षा करती है, मैं भी कुछ उसी तरह की अपेक्षाएं पाले बैठी थी, पर ऋषभ के पिता का सख्त निर्देश था कि मुंह खोलकर कोई मांग नहीं की जाएगी। बहरहाल, रिया बहू बनकर हमारे घर आ गई। जब तक घर रिश्तेदारों से भरा था, मैंने उसे आराम करने दिया। वह आराम से आठ बजे सोकर उठती, चाय पीती, फिर नहा-धोकर सज-धजकर बैठ जाती। लोगों से चहक-चहककर बातें करती, क्योंकि मायका बगल में होने के कारण उसे माता-पिता से दूर होने का एहसास ही नहीं हुआ। ग्यारह-बारह बजे अपने कमरे में चली जाती और घंटों सोती रहती। केवल खाने व चाय के लिए बाहर निकलती। सुबह-शाम उसके भतीजे-भतीजी डिब्बा लिए हाज़िर रहते, 'मम्मी ने दिया है, बुआ को बहुत पसंद है।' 'दादी ने फूफाजी के लिए भेजा है।' उन डिब्बों के स्वादिष्ट व्यंजनों से मुझे परहेज़ न था, लेकिन 'फूफा-बुआ मात्र' की भावना चुभ जाती। जिस दिन ऋषभ-रिया नैनिताल जा रहे थे, रिया ने आकर मुझसे कहा था, आप परेशान मत होइएगा, मेरी मम्मी ने रास्ते के लिए खाना बना दिया है।

संजय दत्त को लेकर खलनायक 2 बनायेंगे सुभाष घई

मुंबई। बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार सुभाष घई, संजय दत्त को लेकर खलनायक 2 बनायेंगे। सुभाष घई ने वर्ष 1993 में संजय दत्त, माधुरी दीक्षित और जैकी श्राफ जैसे सितारों को लेकर सुपरहिट फिल्म खलनायक बनायी थी। सुभाष घई अब खलनायक 2 बनाने जा रहे हैं। सुभाष घई ने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, यदि मीडिया आज भी 'खलनायक' के बारे में बात कर रहा है और यंग जनरेशन संजय दत्त के किरदार बल्लू बलराम के साथ कनेक्ट करते हुए इसका सीक्वल बनाने की मांग कर रहे हैं। तो हमारे पास डबल एनर्जी के साथ 'खलनायक 2' ना बनाने की कोई वजह ही नहीं हैं। सुभाष घई फिल्म खलनायक को 04 सितंबर को इसे सिनेमाघरों में री-रिलीज भी करेंगे। खलनायक 100 से ज्यादा स्क्रीन्स पर री-रिलीज होगी।

अमरूद की बागवानी करने वालों को 60 हज़ार की सब्सिडी

बिहार सरकार भी अब किसानों को मखाना से लेकर प्याज, चाय, मगही पान के साथ-साथ तमाम फल-सब्जियों की खेती के लिये प्रोत्साहित कर रही है और किसानों को आर्थिक अनुदान भी दे रही है। हाल ही में बिहार सरकार ने अमरूद का उत्पादन बढ़ाने के लिये नई सब्सिडी योजना चलाई है, जिसके तहत अमरूद की खेती करने वाले किसान या इसकी खेती के लिये इच्छुक नये किसानों को 60,000 रुपये तक का अनुदान दिया जा रहा है। बागवानी विभाग की मानें तो एक हेक्टेयर में अमरूद की खेती करने पर किसानों को तकरीबन 1 लाख रुपये तक का खर्च आता है. 60 प्रतिशत के हिसाब से किसानों को 60 हजार रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के तहत

अमरूद की खेती पर सब्सिडी का लाभ लेने के लिये बिहार कृषि विभाग, बागवानी निदेशालय के पोर्टल द्धश्रह्लद्बष्ह्वद्यह्लह्वह्द्ग.ड्ढद्ब-द्धड्डह्म्.द्दश्1.द्बठ्ठ पर विजिट कर सकते हैं। इस योजना से जुड़ी अधिक जानकारी, आवेदन की प्रक्रिया और अमरूद की खेती के बारे में जानने के लिये नजदीकी जिले में उद्यान विभाग के सहायक निदेशक से संपर्क कर सकते हैं। यह सख्त किस्म की फसल है और इसकी पैदावार के लिए हर तरह की मिट्टी अनुकूल है। हल्की से लेकर भारी और कम निकास वाली मिट्टी इसकी खेती के लिए सबसे ज्यादा उपयुक्त हैं। इसकी पैदावार 6.5 से ।.5 पीएच वाली मिट्टी में भी की जा सकती है। इसकी खेती सितंबर-अक्टूबर और फरवरी मार्च में की जा सकती है। बिजाई के 2-3 साल बाद अमरूद के बूटों को फल लगने शुरू हो जाते हैं। फलों के पूरी तरह पकने के बाद इनकी तुड़ाई करनी चाहिए। पूरी तरह पकने के बाद फलों का रंग हरे से पीला होना शुरू हो जाता है। फलों की तुड़ाई सही समय करें, ऐसा नहीं करने पर फल पक कर सड़ भी सकते हैं।

खाना खाने के बाद तुरंत लग जाती है भूख? तो इन चीजों का करें सेवन, पेट रहेगा भरा

कई बार ऐसा होता है कि खाना खाने के थोड़ी देर बाद ही आपको भूख लगने लगती है. क्या आपको पता है कि खाना खाने बाद फौरन भूख लगने को हंगर पैग्स कहते हैं। जी हां बार-बार भूख लगने का मतलब है कि आप पर्याप्त मात्रा में खाना नहीं खा रहे हैं।ऐसे में आपकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। लेकिन अगर आप कुछ चीजों का सेवन करते हैं तो आप अपनी भूख को शांत कर सकते हैं। जी हां हम यहां आपको बताएंगे कि किन चीजों का सेवन करना चाहिएजिससे आपको खाना खाने के बाद भूख न लगे।

बादाम-

बार-बार भूख लगने की समस्या से छुटकारा पाने के लिए आपको बादाम का सेवन करना चाहिए।क्योंकि बादाम में पर्याप्त मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन ई, मैग्नीशियम और फाइबर जैसे तत्व पाये जाते हैं। जो आपके पेट को लंबे समय तक भरा हुआ रखते हैं, जिससे आपकी भूख कंट्रोल में रहती है।

नारियल-

नारियल एक शानदार स्नैक है। नारियल का सेवन करने से बार-बार लगने वाली भूख को कंट्रोल में किया जा सकता है। साथ ही ये शरीर से मोटापे को कम करने में भी मदद करता है। वहीं नारियल में कॉपर, आयरन, मैग्नीशियम और जिंक जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। जिससे आपको बार-बर भूख नहीं लगती है।

छाछ-

छाछ प्रोटीन से भरपूर ड्रिंक है। छाछ का सेवन करने से आपको लंबे समय तक भूख नहीं लगती है। वहीं अगर आपको भई खाना खाने के बार-बार भूख लगती है को आपको छाछ का सेवन करना चाहिए।

स्प्राउट्स-

स्प्राउट्स में भरपूर मात्रा में फाइबर और प्रोटीन होता है। इसका सेवन करने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। इसलिए अगर आपको भी बार-बार भूख लगती है तो आप स्प्राउट्स का सेवन कर सकते हैं।

घर में सुकून व ऊर्जा का अहसास

हम सभी चाहते हैं कि हमारा घर सुंदर हो। दिनभर काम की थकान के बाद जब हम घर आयें तो वहां सुकून मिले लेकिन वह आपको नहीं मिल रहा है। इसका अर्थ है कि आपके घर में पॉजिटिव एनर्जी का स्तर बहुत कम है। कोई न कोई वास्तुदोष है या घर के इंटीरियर में कहीं कोई गड़बड़ है जिस वजह से ऐसा हो रहा है। वास्तु एवं इंटीरियर विशेषज्ञ गिरेंद्र भारती से जानिये कुछ इंटीरियर व वास्तु टिप्स जो आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने में कारगर सिद्ध होंगे, साथ ही सेहत के लिए फायदेमंद भी –

पोंछे के पानी में समुद्री नमक

अगर आपको अपने घर में एनर्जी का स्तर बहुत कम लगता है ? या कई बार लगता है कि जब तक हम घर के बाहर रहते हैं तब तक हम खुश रहते हैं लेकिन घर आकर मूड खराब होने लगता है। ऐसा महसूस हो तो यकीनन आपके घर में एनर्जी की कमी है। इस कमी को दूर करने के लिए आप जिस पानी से अपने घर पर पोंछा लगाते हैं उसमें समुद्री नमक मिला दें। पानी में सी सॉल्ट डालकर पोंछा लगाना बहुत पॉवरफुल उपाय है।

म्यूजिक का प्रभाव

आप अपने घर में दिन में एक बार कम से कम दस मिनट के लिए तेज म्यूज़िक बजाएं। यह काम आप पूरे दिन में कभी भी कर सकते हैं। कोई भजन या मंत्र लगाएंगे तो और अच्छा है। लाउड म्यूज़िक घर से नेगेटिव एनर्जी को हटा देता है। इसके अलावा दिन में एक बार कुछ समय के लिए सभी खिड़कियों-दरवाज़ों को खोल दें और हवा क्रॉस होने दें। ऐसे हिस्से जहां धूप नहीं जाती वहां रोशनी करें व दिया जलाएं।

दिशाओं का ध्यान

अगर आप किसी तरह की दवाएं ले रहे हैं तो उन दवाओं को घर की नार्थ ईस्ट दिशा के कोने में रखें। इस स्थान पर टॉयलेट व किचन न बनाएं। अगर है तो वहां ब्लू कलर का बल्ब हमेशा जलाकर रखें। साउथ ऑफ साउथ वेस्ट दिशा में कभी न सोएं। अगर वहां आपका बेडरूम है तो बिस्तर को लाफ्ट या राइट किसी और दिशा में कर लें।

ऑक्सीजन के स्रोत प्लांट्स

आप अपने घर में स्नेक प्लांट को जरूर रखें। अगर आप स्नेक प्लांट को खिड़की के पास रखते हैं तो यह घर में ऑक्सीजन की मात्रा को बढ़ा देता है और कमरे को स्वच्छ वातावरण देता है। साथ ही प्लांट्स घर के इंटीरियर में भी आकर्षण पैदा कर देते हैं।

बात फूलों की

फूलों की बात करें तो फूल हमारे घर की सुंदरता को बहुत बढ़ा देते हैं। फूल जहां दिखने में सुंदर लगते हैं वहीं ये घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करते हैं। इसमें लेविंडर सबसे ज्यादा सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाने का काम करता है। चंदन की खुशबू भी नकारात्मकता हटा देती है। फूलों के अलावा जिन घरों में पालतू पशु होते हैं जैसे डॉग्स उन घरों में भी एनर्जी का स्तर हमेशा हाई रहता है। बच्चों के घर में रहने से भी घर में एनर्जी बनी रहती है।

रंगों का बड़ा योगदान

घर के वातावरण को एनर्जी देने में रंगों का बहुत योगदान होता है। रंग अपना बहुत गहरा असर दिखाते हैं। सत्व, रजस और तमस यह तीनों गुण भी हमारे रंगों में प्रदर्शित होते हैं। जो सत्व के रंग हैं वो हैं नीला, हरा, सफेद। जितने भी इनके पेस्टल शेड्स हैं यह सत्व के रंग हैं। रजस में जितने भी फाइरी लाल रंग हैं जैसे लाल, गुलाबी, बैंगनी आदि। डार्क शेड्स जैसे काला, ब्राउन, नेवी ब्लू आदि तमस के रंग हैं। ऐसे में हमें लाइट पेस्टल्स कलर्स को अपने घर में इंटीरियर डिज़ाइन करते हुए जगह देनी है। अगर सफेद व क्रीम कलर दीवारों पर लगाते हैं तो कई समस्याओं से खुद को बचा सकते हैं। परदे, चादर व कुशन के रूप में भी आप इन रंगों को अपने इंटीरियर में इस्तेमाल करें। यह न केवल हेल्थ के लिए फायदेमंद हैं बल्कि ओवरऑल हैप्पीनेस के लिए अच्छे माने जाते हैं। इसके अलावा कमरा छोटा है या उसमें रोशनी ठीक से नहीं आती तो सफेद या क्रीम कलर का पेंट करना चाहिए। ऐसा करने ये बेड एलिमेंट्स जोकि हमारे

मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी में रूमर्ड कपल पर अटकी नजरें, आदित्य को अनन्या संग देख नेटिजन्स ने कर दिया ट्रोल

अनन्या पांडे बी टाउन इंडस्ट्री की क्यूट और चुलबुली एक्ट्रेस में से एक है। अनन्या अपने करियर और फिल्मों की वजह से जितनी सुर्खियों में रहती है, उससे भी कहीं ज्यादा वो अपनी पर्सनल लाइफको लेकर लाइमलाइट में रहती है। अनन्या पांडे का नाम बीते कई समय से एक्टर आदित्य रॉय कपूर के साथ लिया जा रहा है। दोनों को लेकर फिल्मी गलियारों में तो यहीं खबरें है कि दोनों एक दूसरे को डेट कर रहे है और हाल ही में जब दोनों को मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी में साथ में देखा गया तो ऐसे में दोनों के डेटिंग की खबरें एक बार फिर से आने लगी।दिवाली आते ही बॉलीवुड इंडस्ट्री में जश्न और पार्टियों का दौर शुरू हो जाता है। बीती रात मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी में कई जानी मानी हस्तियां पहुंची, लेकिन इस दौरान सबकी नजरें बी टाउन के रूमर्ड कपल अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर पर टिकी हुई थी। ये दोनों पार्टी में लगभग एक ही समय पर पहुंचे और फिर साथ में पैपराजी के सामने कई तस्वीरें खिंचवाई, लेकिन अब इस रूमर्ड जोड़ी को सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल भी किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर अनन्या और आदित्य का ये वीडियो काफी वायरल हो रहा है, जिसमें इन दोनों को मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी में साथ में देखा गया। यहां पर दिलचस्प बात तो ये रही कि ये दोनों एक ही कलर के आउटफिट में नजर आए। दोनों ने ही ब्लैक कलर के एथिनिक ड्रेस कैरी किए हुए थे, जिसमें दोनों ही काफी प्यारे लग रहे थे। साथ ही दोनों ने एक साथ काफी अच्छे से पैपराजी के सामने एक से बढ़कर पोज देकर तस्वीरें खिंचवाई। अनन्या और आदित्य का ये क्यूट वीडियो सामने आने के बाद अब हर किसी के मन में यही सवाल है कि क्या ये दोनों इशारों ही इशारों में ये तो नहीं बताना चाह रहे है कि ये दोनों एक दूसरे को डेट कर रहे है। वीडियो पर अब कई यूजर्स भी कमेंट करके अपने अपने राय पेश कर रहे है। किसी को दोनों की जोड़ी अच्छी लग रही है, तो वहीं कुछ यूजर्स के कमेंट से तो साफहै कि वो आदित्य के साथ अनन्या को नहीं देखने चाहते है, जिसके कारण सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल कर रहे है। किसी ने लिखा- 'नो, ये लड़की आदित्य रॉय कपूर की गर्लफ्रेंड नहीं हो सकती', तो किसी ने लिखा- 'ये आदित्य का खराब कर देंगी'। बता दें कि अनन्या और आदित्य के डेटिंग की खबरें करण जौहर के चौट शो 'कॉफी विद करण सीजन 7' से आनी शुरू हुई थी। करण के सवाल का अनन्या ने सीधा सीधा जवाब नहीं दिया, जिससे लोगों को लगा कि दोनों के बीच कुछ तो चल रहा है।

इसके बाद दोनों के इस तरह से साथ में देखे जाने पर दोनों के

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित होगी सना

मुंबई। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक सुधांशु सरिया की राधिका मदान अभिनीत सना 54वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में पहली बार प्रदर्शित होगी। शंघाई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (एसआईएफएफ), तेलिन ब्लैक नाइट्स फिल्म फेस्टिवल और सांता बारबरा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल जैसे प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में अपनी दिलचस्प कहानी और शानदार प्रदर्शन के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा हासिल करने के बाद, समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्म सना ऐस द्वारा निर्देशित है। फिल्म निर्माता सुधांशु सरिया और राधिका मदान की फिल्म सना भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित होगी ।भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का 54 वां संस्करण 20 से 28 नवंबर 2023 तक गोवा में आयोजित किया जाएगा। सना का प्रीमियर 23 नवंबर को इंडियन पैनोरमा श्रेणी के तहत महोत्सव में किया जाएगा। सुधांशु सरिया ने कहा, इस साल बन रहे बेहतरीन सिनेमा का प्रतिनिधित्व करने के लिए मेरी फिल्म को चुना जाना कोई सामान्य सम्मान नहीं है और जब हमें यह खबर मिली तो पूरी टीम रोमांचित थी। हम आखिरकार आईएफएफआई में अपने प्रीमियर के साथ अपनी भारतीय यात्रा को हरी झंडी दिखाने के लिए उत्साहित हैं और यह सुनने के लिए उत्सुक हैं कि हमारे पहले भारतीय दर्शक फिल्म के बारे में क्या सोचते हैं। सुधांशु सरिया के प्रोडक्शन हाउस फोर लाइन फिल्म्स द्वारा निर्मित, सना में सह-कलाकार सोहम

ग्वालियर ग्रामीण से राष्ट्रीय समानता दल के प्रत्याशी पर चली गोली

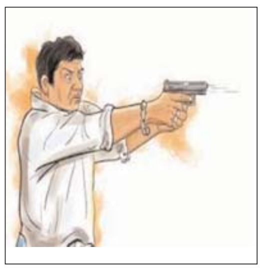

ग्वालियर,। ग्वालियर ग्रामीण विधानसभा से राष्ट्रीय समानता दल के प्रत्याशी पर गोली चली है। वह क्षेत्र में प्रचार कर घर लौटे थे, इसी दौरान जब वह अपने घर के पास पहुंचे तो गोली चली। सूचना मिलने पर पुलिस भी पहुंची। यहां से एक राउंड भी मिला है। पुलिस ने इसे जब्त कर लिया है। चुनावी माहौल में गोलीबारी की यह दूसरी घटना है। इससे पहले बहोड़ापुर इलाके में दो पक्ष चुनावी रंजिश के चलते आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों में गोलीबारी हुई।ग्वालियर ग्रामीण विधानसभा से राष्ट्रीय समानता दल के प्रत्याशी जीवन कुशवाह रात को क्षेत्र में चुनाव प्रचार करने के बाद घर लौट रहे थे। जीवन ने बताया कि जब वह घर के पास पहुंचे तो यहां उनके साथी कार्यकर्ता खाना खा रहे थे। यहां जब पहुंचे तो अचानक किसी ने गोली चलाई। गोली टीनशेड में लगी। गोली किसने चलाई, क्यों चलाई यह पता नहीं लग सका है। पुलिस को सूचना दी गई तो यहां पुलिस पहुंची। पुलिस ने कारतूस जब्त कर लिया है। जीवन का कहना है- चुनावी रंजिश के चलते गोली चली है। हालांकि किसी पर आरोप नहीं लगाया। उधर बहोड़ापुर इलाके में दो पक्ष दो दिन पहले आमने-सामने आ गए थे। इनमें आपस में जमकर मारपीट हुई थी और गोलियां चली थी। इस घटना में दो लोग घायल भी हो गए थे। पुलिस ने दो आरोपितों को पकड़ लिया है। इस घटना में दोनों पक्षों पर हत्या के प्रयास की एफआइआर दर्ज की थी। अब मतदान में चंद घंटे ही बचे हैं। इस तरह की घटनाएं होने से पुलिस चिंतित है।

आमने-सामने आने पर सिंधिया के काफिले को लौटना पड़ा, कांग्रेसियों ने लगाए नारे

ग्वालियर,ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र से दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में रोड शो करने के लिए जा रहे केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का काफिला बुधवार की दोपहर को कांग्रेस प्रत्याशी प्रवीण पाठक की रैली के सामने आ गया। कांग्रेसियों ने पार्टी का ध्वज लहराते हुए नारे लगाने शुरु दिए। विषम परिस्थिति उत्पन्न होने पर सिंधिया के काफिले को वापस लौटना पड़ा। दक्षिण विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी नारायण सिंह के लिए सिंधिया पूरा जोर लगा रहे हैं। सिंधिया की टीम भी दक्षिण में लगी हुई है। दूसरी तरफ प्रवीण पाठक पैर में फैक्चर होने के बाद चुनाव प्रचार के लिए मैदान में डटे

हुए हैं। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन भी प्रवीण पाठक क्षेत्र के जनसमुदाय के साथ पैदल रैली निकाली।**नारायण सिंह कार्यकर्ताओं को एक जुट नहीं कर पाए-** ग्वालियर दक्षिण विधानसभा में चुनाव से पहले भाजपा में घमासान मचा हुआ था। इस घमासान के बीच पार्टी ने नारायण सिंह को जातिगत समीकरणों के आधार पर टिकट तो मिल गया। किंतु चुनाव प्रचार के अंत तक क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को साधने में नाकाम रहे हैं। क्षेत्र के लोगों से पांच वर्ष सीधा संपर्क भी उनका नहीं रहा है। भाजपा के मूल कार्यकर्ता की बजाए सिंधिया लाबी ने चुनाव प्रचार की कमान संभाल रखी है। दूसरी तरफ चुनाव से पहले प्रवीण पाठक चुनाव से पहले अपने क्षेत्र में पैदल पदयात्रा कर चुके हैं। सिंधिया ने नारायण सिंह को मजबूत करने के लिए अपनी ताकत लगा दी है। चुनावी सभाओं के साथ सिंधिया कई बार कार्यकर्ताओं की बैठक ले चुके हैं।

सर्दी की दस्तक के साथ वन्य प्राणियों के केज पर लगे कैनवास के पर्दे , अब बदलेगी डाइट

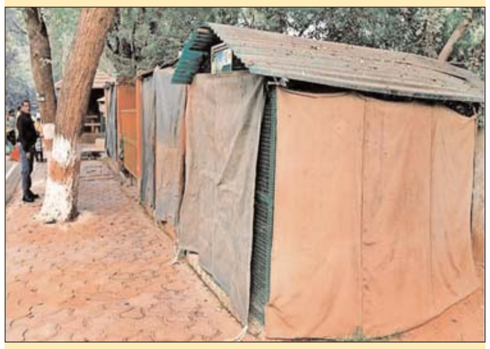

ग्वालियर. । दीपावली के बाद अब शहर में धीरे-धीरे सर्दी दस्तक देने लगी है। दिन में चलने लगी हवाओं में भी ठंडक महसूस की जा सकती है। इन सब के बीच फूलबाग स्थित गांधी प्राणी उद्यान में रहने वाले वन्य प्राणियों को सर्दी से बचाने के लिए इंतजाम भी शुरू हो चुके हैं। चिड़ियाघर में रहने वाले पक्षियों, सांपों, हिरणों, शेर सहित तमाम वन्य प्राणियों को सर्दी से बचाने के लिए कुछ बदलाव किए जा रहे हैं। इसमें खास तौर पर अभी वन्य प्राणियों के केज में कैनवास के पर्दे लगाने से लेकर खाने के आइटम में बदलाव किया जाना शामिल है।इन दिनों चल रही सर्द हवाओं के असर से ठंड बढ़ रही है। बीते दिनों में तापमान में गिरावट भी दर्ज की गई है। ऐसे में मौसम विभाग का मानना है कि नवंबर के अंतिम सप्ताह में सर्दी अपने वास्तविक रूप में आने लगेगी। सर्दी की आहट होने भर पर ही गांधी प्राधी उद्यान प्रबंधन ने अपनी ओर से पूरी तैयारी कर ली है। जानवरों को ठंड से बचाने के लिए केज में हीटर भी लगाए गए हैं, हालांकि अभी यह चालू नहीं है लेकिन जब जरूरत महसूस होगी, तब इन्हें तत्काल प्रभाव से चला सकते हैं। यानी मौसम में सर्दी बढ़ने के बाद वन्य प्राणियों के केज में हीटर को चालू किया जाएगा। पक्षियों और रेप्टाइल्स के लिए भी सर्दी से बचने की व्यवस्था की जा चुकी है। जल्द ही इन सभी की डाइट का मैन्यू भी चेंज किया जाएगा।पक्षियों को चने, मूंगफली, चीकू जैसे मौसमी फल दिए जा रहे हैं। चिड़ियाघर के चिकित्सक उपेंद्र यादव का कहना है कि जैसे ही सर्दी शुरू होती है, हम जानवरों को अधिक पोषण युक्त भोजन देना शुरू करते हैं। ठंड के मौसम से निपटने के लिए उनके लिए हीटर की व्यवस्था करते हैं। उन्होंने बताया कि ठंड की तैयारी अक्टूबर से ही शुरू कर देते हैं, शेर के लिए हीटर और हिरन के लिए चटाई बिछाई गई हैं, जिससे वो ठंड से बचे रहें।

करें व पौष्टिक संतुलित आहार लें-पक्षियों और सर्पों को सर्दी से बचाने के लिए पक्षी गृह और सर्प गृह में खास इंतजाम किए गए हैं। उनके लेटने के लिए कंबल बोरे सहित पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इसके अलावा लाइट्स भी लगाई गई हैं जिससे तापमान को संतुलित किया जा सके। इससे सभी सांप और पक्षी सर्दी से तो बचेंगे ही वहीं साथ में अपनी नींद भी बड़े आराम से पूरी कर सकेंगे।

महीने के अंत में बदलेगा मैन्यू-वन्य प्राणियों के डाइट प्लान में बदलाव करते हुए महीने के अंत में खानपान में कई चीजें शामिल की जाएंगी, साथ ही कुछ चीजों को हटाया भी जाएगा। सर्दी बढ़ते ही वन्य प्राणियों को उनकी डाइट के अनुसार भुना चना, हरा लहसुन, लूसन आदि दिया जाएगा। इससे उनके भोजन के माध्यम से उनकी हेल्थ भी सुधरेगी साथ ही शरीर को भीतरी गर्मी भी मिलेगी।

'मौसम के हिसाब से हमारी तैयारियां पूरी है, सभी वन्य प्राणियों पर लगातार मोनीटरिंग भी हो रही है। केज में लगातार वांछित बदलाव किए जा रहे हैं। नवंबर माह के अंत तक सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएगी।

चुनाव में व्यस्त जिला सरकार, इधर राशन लेट, सफाई बेपटरी, राजस्व ठप

ग्वालियर । विधानसभा चुनाव-2023 के लिए मतदान की घड़ी आ गई है। अधिकतर सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को चुनाव डयूटी में लगाया गया है। इसी कारण आमजन की बुनियादी सुविधाओं और योजनाओं पर भी इसका असर पड़ा है। सफाई, सड़क, बिजली और सीवर की शिकायतों के ढेर हैं। खासकर दीपावली के बाद से सफाई पटरी पर नहीं आ पाई है। दो दिन कर्मचारियों के अवकाश के बाद बुधवार को काम पर आने का दावा भले ही किया गया, लेकिन शहरभर में कचरे के ढेर फिर दिखे। राशन वितरण की पूरी व्यवस्था में लगे अधिकारियों को चुनाव डयूटी में लगाया गया है तो परिवहन से लेकर वितरण तक पर निगरानी हटने से 40 फीसद ही वितरण अभी हो सका है। इसको लेकर कलेक्टर तक शिकायतें भी पहुंची हैं जिसके बाद मंगलवार को खाद्य आपूर्ति विभाग ने बैठकें भी कीं। सबसे अहम नामांतरण-बंटवारे, सीमांकन जैसे कार्य पूरी तरह पिछले एक-डेढ़ माह से ठप पड़े हुए हैं। परेशान लोग अब मतदान व मतगणना हो जाने का इंतजार कर रहे हैं।

बता दें कि विधानसभा चुनाव-2023 को लेकर पिछले दो माह से जिला सरकार चुनाव की तैयारियों में लगी हुई है। अधिकतर विभागों के अधिकारियों को सेक्टर अधिकारी बना दिया गया है। इसी कारण संबंधित अधिकारी अपने विभागों पर चुस्त मानीटरिंग नहीं कर सके। विशेषकर रेवेन्यू को लेकर सबसे ज्यादा हालत खराब है जिसमें लोगों के रूटीन काम प्रभावित हुए हैं। आचार संहिता लगने के साथ ही जनता की सुनवाई के फोरम भी बंद हो जाते हैं, इसलिए और परेशानी बढ़ जाती है।

दीपावली के पहले से बेपटरी हुई सफाई व्यवस्था अभी तक पटरी पर नहीं आ सकी है। नगर निगम के अफसरों ने चुनावी व्यस्तता के चलते मानीटरिंग न के बराबर की,नतीजा सड़कों पर कचरा होने के साथ साथ वार्डों में भी कचरा कलेक्शन गाड़ी नहीं पहुंच रही। दीपावली पर दो दिन सफाईकर्मी अवकाश पर रहे और नगर निगम ने वैकल्पिक व्यवस्थाएं भी नहीं कीं। चुनावी डयूटी के अलावा मैदान में होने वाले सफाई अमले व अधिकारियों ने भी मानीटरिंग सुस्त कर दी। सिटी सेंटर, मुरार, लश्कर से लेकर सिरोल ऐसे कई पाश इलाको में पाश कालोनियों में कचरे के ढेर लगे हैं।चुनावी व्यस्तता के कारण राशन वितरण की व्यवस्था भी गड़बड़ा गई है। अभी तक 40 फीसद ही राशन वितरण हुआ है और शेष अभी बाकी है। सहकारी समितियां, नागरिक आपूर्ति निगम से लेकर ट्रांसपोर्ट व्यवस्था व खाद्य आपूर्ति निगम के स्तर पर सुस्ती हुई। राशन वितरण में देरी का मामला कलेक्टर तक भी पहुंचा जिसके बाद अधिकारियों की बैठक बुलाकर इस संबंध में सुधार के निर्देश दिए गए।शहर में स्ट्रीट लाइटों की स्थिति न दीपावली पर सुधार सके न अब व्यवस्था दुरूस्त हुई है। शहर के पाश इलाकों में शाम ढ़लते ही अंधेरे के हालत हो जाते हैं। जिस कंपनी के पास काम का ठेका है वह आपूर्ति नहीं कर पा रही है और अफसर इसका इलाज भी नहीं निकाल पा रहे। इस कारण पिछ्ले काफी समय से ऐसे ही हालात पड़े हैं। शहर के अधिकतर इलाके इस समस्या से जूझ रहे हैं।जिला प्रशासन के चुनावी कार्य मे व्यस्त होने के चलते सबसे ज्याद राजस्व के कामों पर असर पड़ा है, आचार संहिता से पहले पटवारियों की हड़ताल एक माह तक चली इसके बाद चुनाव की तैयारियां शुरू हो गईं। जनता की राजस्व कार्यालयों में सुनवाई

मेले की तैयारी, झूला सेक्टर में पहुंचने लगा सामान

ग्वालियर । माधवराव सिंधिया व्यापार मेला में 25 दिसम्बर से मेला शुरू होने की सुगबुगाहट शुरू हो गई है, इसके पीछे का कारण झूला सेक्टर में सामान पहुंचना है। व्यापारी भी आने को तैयार हैं। इंतजार सिर्फ मेला प्राधिकरण की हरी झंडी मिलने का है, हालांकि मेला प्राधिकरण के सचिव तय तारीख पर मेला शुरू कराने की बात कह रहे हैं, उनका कहना है कि चुनाव सम्पन्न होने के बाद तैयारियां शुरू कर दी जाएंगी।मेला प्राधिकरण पर बिजली-पानी व सफाई व्यवस्था को दुरुस्त कराने की चुनौती होगी। मेला व्यापारी संघ के अध्यक्ष महेन्द्र भदकारिया ने कहा कि झूला सेक्टर

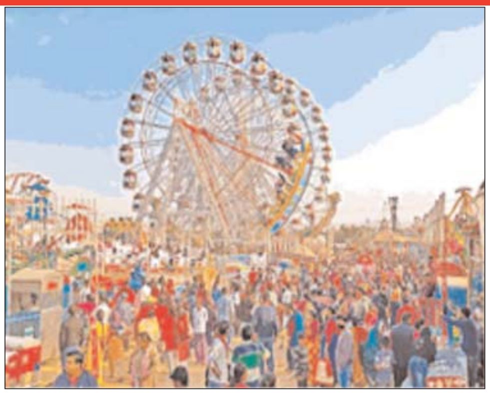

में सामान की आवक शुरू हो गई है। व्यापारी मेले में आने को तैयार हैं, इसलिए प्राधिकरण को तय तारीख से मेला शुरू करने के लिए प्लान तैयार कर तैयारियां शुरू कर देना चाहिए। क्योंकि सीवर, रोड, बिजली दुरुस्त करने में समय लगेगा। भदकारिया ने कहा कि शिल्प बाजार में प्रवेश के लिए खोला गया बाहर का गेट प्राधिकरण को बंद कर मेला परिसर से शिल्प बाजार में प्रवेश होना चाहिए। पहले इस तरह की व्यवस्था थी, इसके साथ ही पार्किंग की व्यवस्था गार्डन में की जाए।चुनाव के बाद मेला शुरू कराने की तैयारी है। 25 दिसम्बर से मेला शुरू हो हमारे ऐसे प्रयास हैं

जेयू में आनलाइन आवेदन प्रक्रिया अटकी, आफलाइन में छात्र परेशाने

ग्वालियर.। जीवाजी विश्वविद्यालय के छात्रों का संकट कम होने का नाम नहीं ले रहा है। जेयू प्रबंधन ने दस्तावेजी प्रक्रिया के लिए आनलाइन आवेदन किए जाने की घोषणा तो कर दी लेकिन इस प्लान को धरातल पर नहीं ला सका है। इससे हो यह रहा है कि बाहरी शहरों में रहने वाले छात्रों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना प? रहा है। छोटे से काम के लिए छात्रों को ग्वालियर आना पड़ता है और फिर आफलाइन माध्यम से आवेदन कर टोकन लगाते हैं। फिर करते हैं इंतजार, अब तय समय में काम नहीं हो पाए तो फिर से वही रुटीन फोलो करना होता है।जेयू प्रबंधन ने काफी समय पहले ही यह घोषित कर दिया था कि छात्रों की समस्याओं का समाधान करने के लिए सभी आवेदन आनलाइन माध्यम से किए जाएंगे, छात्रों को जेयू आकर परेशान नहीं होना होगा। इससे उस समय छात्रों को काफी खुशी महसूस हुई लेकिन वर्तमान समय तक कोई कार्रवाई न होने से छात्रों में अब नाराजगी है। छात्रों का आरोप है जेयू अपने सुस्त रवैये के चलते सिर्फ वादे करना जानती है उन्हें पूरा नहीं कर पाती। वही ं प्रबंधन काम को तेजी से पूरा करवाने की बात कह रहा है।छात्रों की सबसे बड़ी समस्या है जिसमें वह बाहरी शहरों से आकर जेयू में अपना संबंधित दस्तावेज बनाने के लिए आवेदन करते है। टोकन के साथ आवेदन शुल्क जमा कर देते हैं, लेकिन कई बार ऐसा होता है कि छात्र का टोकन खो जाता है और उसके आवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं हो पाती। जब छात्र दोबारा जेयू आता है तब उसे पता चलता है कि उसका टोकन खो चुका है। इसके बाद छात्र को दोबारा से पूरी प्रकिया करना पड़ती है।

रैलियों, बैठकों व जनसंपर्क में दोनों दलों के उम्मीदवारों ने प्रचार के अंतिम दिन झोंकी पूरी ताकत

ग्वालियर, विधानसभा चुनाव में शहरी क्षेत्र में चुनाव प्रचार के अंतिम घंटों प्रचार का ट्रेंड चेंज हुआ है। अमूमन चुनाव प्रचार के अंतिम घंटों में बड़े व प्रभावशाली नेताओं की चुनावी सभाएं करा कर मतदाताओं को मानस व मन बदलने का प्रयास किया जाता था। इस बार के विधानसभा चुनाव के अंतिम घंटों में भाजपा व कांग्रेस ने चुनावी सभाओं की बजाए रोड-शो व बड़ी-बड़ी रैलियां निकालने को प्राथमिकता दी है। नगर में बुधवार को भाजपा व कांग्रेस प्रत्याशियों ने झंडे, बैनर व बैंड बाजों के साथ भारी संख्या कार्यकर्ताओं व समर्थकों के साथ रैलियां निकालकर मतदाताओं तक पहुंचने की पूरी कोशिश की। इन रैलियों के साथ ही चुनावी शोर-गुल व जनसंपर्क पर बुधवार की शाम छह बजे से विराम लग गया है। अब दोनों दलों ने मतदान के लिए ब्यूह रचना बनाना शुरु कर दी है।- ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी माया सिंह ने चुनाव प्रचार के अंतिम दिन केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के रोड शो किया और क्षेत्र में जनसंपर्क भी अनवरत रूप से जारी रखा। रोड शो की समाप्ती के बाद माया सिंह ने क्षेत्र के प्रमुख लोगों के अलावा सामाजिक संगठनों के प्रमुख लोगों से मुलाकात कर समर्थन मांगा। पूर्व से कांग्रेस विधायक व प्रत्याशी डा सतीश सिकरवार ने चुनाव प्रचार के अंतिम दिन भी प्रमुख व्यवसायिक क्षेत्र गीता कालोनी व दाल बाजार में जनसंपर्क किया। उसके बाद भगत सिंह नगर अन्य

क्षेत्रों में बैठकें कर लोगों से संवाद किया।

कांग्रेस -ग्वालियर दक्षिण से कांग्रेस प्रत्याशी प्रवीण पाठक ने रोकडिया सरकार की पूजा अर्चना कर महारैली निकाली। महारैली में काफी संख्या में लोग शामिल थे। यह रैली जनकगंज मोर बाजार, महाराज बाड़ा, सराफा बाजार, डीडवाना ओली गस्त का ताजिया, पहुंचे, यहां से राम मंदिर, पाटनकर दौलतगंज होते हुए हेमु कालाणी चौक पर रैली का समापन किया।

भाजपा- भाजपा प्रत्याशी प्रद्युम्न सिंह तोमर अस्पताल से डिस्चार्च होने के बाद चुनाव प्रचार में उतर गए। प्रद्युम्न सिंह ने बुधवार की सुबह कांच मिल, पाताली हनुमान व हजीरा चौराहे पर दोपहर तक जनसंपर्क किया

माइक से बोले कलेक्टर..आवाज आ रही है, 17 दक्षिण के आरओ ने कहा..जी सर

ग्वालियर.। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह..तीन बार माइक से बोलते हैं..आवाज आ रही है तभी 17 दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के आरओ जवाब देते हैं जी सर। इतना सुन कलेक्टर सिंह व्यवस्था को ओके करते हुए विद्युत वितरण कंपनी के महाप्रबंधक शहर वृत्त नितिन मांगलिक से कहा सेक्टर वाइज कर्मचारियों की ड्यूटी लगा दें बिजली सप्लाई में किसी भी तरह की दिक्कत नहीं आनी चाहिए। साथ ही नगर निगम अपर आयुक्त से वाकी-टाकी जल्द उपलब्ध कराने को कहा। यह बात कलेक्टर सिंह ने मतदान सामग्री वितरण व्यवस्था का जायजा लेने के दौरान कहीं। दरअसल जिले के छह विधानसभा क्षेत्रों के 1662 मतदान केन्द्रों में मतदान कराने के लिए मतदान दलों को ईवीएम सहित मतदान सामग्री का वितरण गुरुवार की सुबह से किया जाएगा। ऐसे में बुधवार को सामग्री वितरण की फाइनल रिहर्सल की गई।फाइनल रिहर्सल के दौरान कलेक्टर सिंह के साथ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश चंदेल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार साथ थे। कलेक्टर सिंह ने प्रत्येक सेक्टर में पहुंचकर व्यवस्थाओं को परखा। मतदान दलों के बैठने के स्थान के साथ ही प्रवेश की व्यवस्था का बरीकी से जायजा लिया। विधानसभा क्षेत्रवार कलर कोडिंग देखकर कलेक्टर सिंह से पूछा यह क्या है। अधिकारियों ने बताया कि मतदान दल आसानी से अपने विधानसभा क्षेत्र में पहुंच सकें इसलिए विधानसभा क्षेत्र ग्वालियर ग्रामीण के लिए गुलाबी, ग्वालियर के लिए हल्का हरा, ग्वालियर पूर्व के लिए ग्रे, ग्वालियर दक्षिण के लिए सफेद, भितरवार के लिए बैगनी व डबरा के लिए बैगनी कलर के गेट बनाए गए हैं। इस बार मतदान दलों को लाइन में नहीं लगना पड़ेगा, जगह पर ही उनको मतदान सामग्री मिलेगी।

हवाई अड्डे की नई बिल्डिंग में केमीकल सिलेंडर फटा, मजूदर घायल

ग्वालियर. । महाराजपुरा स्थिति हवाई अड्डे की नई बिल्डिंग में केमीकल सिलेंडर फटने से कई मजदूर घायल हो गए। दो मजदूर अभी तक बिल्डिंग में फंसे हुए हैं। मौके पर तीन फायर ब्रिगेड वाहन पहुंच गए हैं। बचाव कार्य चल रहा है। घायल मजदूरों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।घटनाक्रम के मुताबिक हवाई अड्डे की नई बिल्डिंग में काम चल रहा था। कई मजदूर काम कर रहे थे। काम करने के दौरान अचानक से केमीकल से भरा हुआ सिलेंडर फट गया। जिससे उसमें काम कर रहे मजदूर घायल हो गए। सभी मजूदरों को बाहर निकला गया। लेकिन दो मजदूर अंदर फंसे रह गए। घायल मजदूरों को अस्पताल पहुंचाया गया है। अंदर फंसे मजदूरों को निकालने के लिए रेस्क्यू आपरेशन चल रहा है। मौके पर तीन फायरब्रिगेड वाहन पहुंच गए हैं। साथ ही पुलिस व प्रशासन के अफसर भी पहुंच गए हैं।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478